



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधिकारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 50।

नई दिल्ली, पंगलवार, मार्च 26, 2013/चैत्र 5, 1935

No. 501

NEW DELHI, TUESDAY, MARCH 26, 2013/CHAITRA 5, 1935

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन भंगालय

(कार्यिक और प्रशिक्षण विभाग)

शाहिद-पत्र

नई दिल्ली, 25 मार्च 2013

राजपत्र अधिसूचना सं. ११११ भाग-I, खंड-1 दिनांक ५ मार्च, 2013, कार्यिक, लोक शिक्षायत और पेंशन मंत्रालय द्वारा अधिसंचित सिविल सेवा परीक्षा, 2013 की नियमावली

एक. सं. 13018/01/2013-एआईएस (1).—कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय, कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग की दिनांक 5 मार्च, 2013 की राजपत्र अधिसूचना सं. १ भाग-१, खंड-१ जिसके तहत सिविल सेवा परीक्षा, 2013 की नियमावली अधिसूचित की गई है। परिशिष्ट-१ के अंतर्गत खंड-१, खंड-१ और खंड-१ में निम्नलिखित संसोधन किए जाएंगे जिनका विवरण नीचे दिया गया है :

के लिए	पढ़ा जाए
परिशिष्ट-1	परिशिष्ट-1
खंड-1	खंड-1
परीक्षा की योजना	परीक्षा की योजना
इस प्रतियोगी परीक्षा में दो क्रमिक चरण हैं।	इस प्रतियोगी परीक्षा में दो क्रमिक चरण हैं।
(i) प्रधान परीक्षा के लिए उम्मीदवारों के चयन हेतु सिविल सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा (वस्तुपरक) तथा	(i) प्रधान परीक्षा के लिए उम्मीदवारों के चयन हेतु सिविल सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा (वस्तुपरक) तथा
(ii) विभिन्न सेवाओं तथा पदों हेतु उम्मीदवारों का चयन करने के लिए सिविल सेवा (प्रधान) परीक्षा (लिखित तथा साक्षात्कार)	(ii) विभिन्न सेवाओं तथा पदों हेतु उम्मीदवारों का चयन करने के लिए सिविल सेवा (प्रधान) परीक्षा (लिखित तथा साक्षात्कार)
2. प्रारंभिक परीक्षा में वस्तुपरक (बहुविकल्पीय	2. प्रारंभिक परीक्षा में वस्तुपरक (बहुविकल्पीय

प्रश्न) प्रकार के दो प्रश्न पत्र होंगे तथा खंड-॥ के उपखंड (क) में दिए गए विषयों में अधिकतम 400 अंक होंगे। यह परीक्षा केवल प्राक्चयन परीक्षण के रूप में होगी। प्रधान परीक्षा में प्रवेश हेतु अहंता प्राप्त करने वाले उम्मीदवार द्वारा प्रारंभिक परीक्षा में प्राप्त किए गए अंकों को उनके अंतिम योग्यताक्रम को निर्धारित करने के लिए नहीं गिना जाएगा। प्रधान परीक्षा में प्रवेश दिए जाने वाले उम्मीदवारों की संख्या वर्ष में विभिन्न सेवाओं तथा पदों में भरी जाने वाली रिक्तियों की कुल संख्या का लगभग बारह से तेरह गुना होगी। केवल वे ही उम्मीदवार जो आयोग द्वारा इस वर्ष की प्रारंभिक परीक्षा में अहंता प्राप्त कर लेते हैं उक्त वर्ष की प्रधान परीक्षा में प्रवेश के पात्र होंगे बशर्ते कि वे अन्यथा प्रधान परीक्षा में प्रवेश हेतु पात्र हों।

टिप्पणी :- I आयोग, सिविल सेवा (प्रधान) परीक्षा के लिए अहंक उम्मीदवारों की एक सूची तैयार करेगा, जिसका निर्धारण आयोग द्वारा दोनों प्रश्न-पत्रों के यथानिर्धारित कुल अहंक अंकों को जोड़कर किया जाएगा।

टिप्पणी :- II प्रश्न-पत्रों में, ऐसे कुछेक प्रश्नों को छोड़कर जिनमें क्रृणात्मक अंकन (नेगेटिव

प्रश्न) प्रकार के दो प्रश्न पत्र होंगे तथा खंड-॥ के उपखंड (क) में दिए गए विषयों में अधिकतम 400 अंक होंगे। यह परीक्षा केवल प्राक्चयन परीक्षण के रूप में होगी। प्रधान परीक्षा में प्रवेश हेतु अहंता प्राप्त करने वाले उम्मीदवार द्वारा प्रारंभिक परीक्षा में प्राप्त किए गए अंकों को उनके अंतिम योग्यताक्रम को निर्धारित करने के लिए नहीं गिना जाएगा। प्रधान परीक्षा में प्रवेश दिए जाने वाले उम्मीदवारों की संख्या वर्ष में इस परीक्षा के माध्यम से विभिन्न सेवाओं तथा पदों में भरी जाने वाली रिक्तियों की कुल संख्या का लगभग बारह से तेरह गुना होगी। केवल वे ही उम्मीदवार जो आयोग द्वारा इस वर्ष की प्रारंभिक परीक्षा में अहंता प्राप्त कर लेते हैं उक्त वर्ष की प्रधान परीक्षा में प्रवेश के पात्र होंगे बशर्ते कि वे अन्यथा प्रधान परीक्षा में प्रवेश हेतु पात्र हों।

टिप्पणी :- I आयोग, सिविल सेवा (प्रधान) परीक्षा के लिए अहंक उम्मीदवारों की एक सूची तैयार करेगा, जिसका निर्धारण आयोग द्वारा दोनों प्रश्न-पत्रों के यथानिर्धारित कुल अहंक अंकों को जोड़कर किया जाएगा।

टिप्पणी :- II प्रश्न-पत्रों में, ऐसे कुछेक प्रश्नों को छोड़कर जिनमें क्रृणात्मक अंकन (नेगेटिव

मार्किंग) ऐसे प्रश्नों के लिए 'सर्वाधिक उपयुक्त' 'इतना उपयुक्त नहीं' उत्तर को दिए जाने वाले विभिन्न अंकों के रूप में अन्तर्निहित होगी, उम्मीदवार द्वारा दिए गए गलत उत्तरों के लिए दंड (ऋणात्मक अंकन) दिया जाएगा ।

- (i) प्रत्येक प्रश्न के उत्तर के लिए चार विकल्प हैं । उम्मीदवार द्वारा प्रत्येक प्रश्न के लिए दिए गए गलत उत्तर के लिए, उस प्रश्न के लिए दिए जाने वाले अंकों का एक तिहाई (0.33) दण्ड के रूप में काटा जाएगा ।
- (ii) यदि उम्मीदवार एक से अधिक उत्तर देता है तो उसे गलत उत्तर माना जाएगा चाहे दिए गए उत्तरों में से एक ठीक ही क्यों न हो और उस प्रश्न के लिए वही दण्ड होगा जो ऊपर बताया गया है ।
- (iii) यदि प्रश्न को खाली छोड़ दिया गया है अर्थात् उम्मीदवार द्वारा कोई उत्तर नहीं दिया गया है तो उस प्रश्न के लिए कोई दण्ड नहीं होगा ।

3. जो उम्मीदवार प्रधान परीक्षा के लिखित भाग में आयोग के विवेकानुसार यथानिर्धारित व्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करते हैं उन्हें खंड ॥ के उप खंड 'ग' के अनुसार व्यक्तित्व परीक्षण के लिए साक्षात्कार हेतु बुलाया जाएगा । रैंक का निर्धारण करने के लिए प्राप्तांकों को गिना जाएगा । साक्षात्कार के लिए बुलाए जाने वाले

मार्किंग) ऐसे प्रश्नों के लिए 'सर्वाधिक उपयुक्त' 'इतना उपयुक्त नहीं' उत्तर को दिए जाने वाले विभिन्न अंकों के रूप में अन्तर्निहित होगी, उम्मीदवार द्वारा दिए गए गलत उत्तरों के लिए दंड (ऋणात्मक अंकन) दिया जाएगा ।

- (i) प्रत्येक प्रश्न के उत्तर के लिए चार विकल्प हैं । उम्मीदवार द्वारा प्रत्येक प्रश्न के लिए दिए गए गलत उत्तर के लिए, उस प्रश्न के लिए दिए जाने वाले अंकों का एक तिहाई (0.33) दण्ड के रूप में काटा जाएगा ।
- (ii) यदि उम्मीदवार एक से अधिक उत्तर देता है तो उसे गलत उत्तर माना जाएगा चाहे दिए गए उत्तरों में से एक ठीक ही क्यों न हो और उस प्रश्न के लिए वही दण्ड होगा जो ऊपर बताया गया है ।
- (iii) यदि प्रश्न को खाली छोड़ दिया गया है अर्थात् उम्मीदवार द्वारा कोई उत्तर नहीं दिया गया है तो उस प्रश्न के लिए कोई दण्ड नहीं होगा ।

3. प्रधान परीक्षा में लिखित परीक्षा तथा साक्षात्कार परीक्षण होगा । लिखित परीक्षा में खंड ॥ के उप खंड (ख) में दिए गए विषयों के परम्परागत निबंधात्मक शैली के 9 प्रश्नपत्र होंगे जिसमें से 2 प्रश्नपत्र अर्हक प्रकार के होंगे । खंड ॥ (ख) के पैरा । के नीचे नोट (ii) भी देखें । सभी अनिवार्य प्रश्नपत्रों (प्रश्नपत्र ।

उम्मीदवारों की संख्या भरी जाने वाली रिक्विसियों की संख्या से लगभग दुगनी होगी ।

इस प्रकार उम्मीदवारों द्वारा प्रधान परीक्षा (लिखित भाग तथा साक्षात्कार) में प्राप्त किए गए अंकों के आधार पर अंतिम तौर पर उनके रैंक का निर्धारण किया जाएगा । उम्मीदवारों को विभिन्न सेवाओं का आबंटन परीक्षा में उनके रैंकों तथा विभिन्न सेवाओं और पदों के लिए उनके द्वारा दिए गए वरीयताक्रम को ध्यान में रखते हुए किया जाएगा ।

से प्रश्नपत्र VII तक प्राप्त अंकों) और व्यक्तित्व परीक्षण के लिए साक्षात्कार में प्राप्त अंकों के आधार पर उनका योग्यता क्रम निर्धारित किया जाएगा ।

4. जो उम्मीदवार प्रधान परीक्षा के लिखित भाग में आयोग के विवेकानुसार यथानिर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करते हैं उन्हें खंड ॥ के उप खंड 'ग' के अनुसार व्यक्तित्व परीक्षण के लिए साक्षात्कार हेतु बुलाया जाएगा । साक्षात्कार के लिए बुलाए जाने वाले उम्मीदवारों की संख्या भरी जाने वाली रिक्विसियों की संख्या से लगभग दुगनी होगी । साक्षात्कार के लिए 275 अंक (कोई न्यूनतम अर्हक अंक नहीं) होंगे ।

इस प्रकार उम्मीदवारों द्वारा प्रधान परीक्षा (लिखित भाग तथा साक्षात्कार) में प्राप्त किए गए अंकों के आधार पर अंतिम तौर पर उनके रैंक का निर्धारण किया जाएगा । उम्मीदवारों को विभिन्न सेवाओं का आबंटन परीक्षा में उनके रैंकों तथा विभिन्न सेवाओं और पदों के लिए उनके द्वारा दिए गए वरीयताक्रम को ध्यान में रखते हुए किया जाएगा ।

खंड-II	खंड-II
<p>प्रारंभिक तथा प्रधान परीक्षा की रूपरेखा तथा विषय :</p>	<p>प्रारंभिक तथा प्रधान परीक्षा की रूपरेखा तथा विषय :</p>
<p>क. प्रारंभिक परीक्षा :</p>	<p>क. प्रारंभिक परीक्षा :</p>
<p>इस परीक्षा में दो अनिवार्य प्रश्नपत्र होंगे जिसमें प्रत्येक प्रश्नपत्र 200 अंकों का होगा ।</p>	<p>इस परीक्षा में दो अनिवार्य प्रश्नपत्र होंगे जिसमें प्रत्येक प्रश्नपत्र 200 अंकों का होगा ।</p>
<p>नोट :</p>	<p>नोट :</p>
<p>(i) दोनों ही प्रश्नपत्र वस्तुनिष्ठ (बहुविकल्पीय) प्रकार के होंगे ।</p> <p>(ii) प्रश्नपत्र हिन्दी और अंग्रेजी दोनों ही भाषाओं में तैयार किए जाएंगे तथापि, दसवीं कक्षा स्तर के अंग्रेजी भाषा के बोधगम्यता कौशल से संबंधी प्रश्नों का परीक्षण, प्रश्नपत्र में केवल अंग्रेजी भाषा के उद्वरणों के माध्यम से हिन्दी अनुवाद उपलब्ध कराए बिना किया जाएगा ।</p> <p>(iii) पाठ्यक्रम संबंधी विवरण खंड-III के भाग-क में दिया गया है ।</p> <p>(iv) प्रत्येक प्रश्नपत्र दो घंटे की अवधि का होगा । तथापि, नेत्रहीन उम्मीदवारों को प्रत्येक प्रश्नपत्र में 20 मिनट का अतिरिक्त समय दिया जाएगा ।</p>	<p>(i) दोनों ही प्रश्नपत्र वस्तुनिष्ठ (बहुविकल्पीय) प्रकार के होंगे ।</p> <p>(ii) प्रश्नपत्र हिन्दी और अंग्रेजी दोनों ही भाषाओं में तैयार किए जाएंगे तथापि, दसवीं कक्षा स्तर के अंग्रेजी भाषा के बोधगम्यता कौशल से संबंधी प्रश्नों का परीक्षण, प्रश्नपत्र में केवल अंग्रेजी भाषा के उद्वरणों के माध्यम से हिन्दी अनुवाद उपलब्ध कराए बिना किया जाएगा ।</p> <p>(iii) पाठ्यक्रम संबंधी विवरण खंड-III के भाग-क में दिया गया है ।</p> <p>(iv) प्रत्येक प्रश्नपत्र दो घंटे की अवधि का होगा । तथापि, नेत्रहीन उम्मीदवारों को प्रत्येक प्रश्नपत्र के लिए 20 मिनट का अतिरिक्त समय दिया जाएगा ।</p>

ख. प्रधान परीक्षा :-	ख. प्रधान परीक्षा :-
लिखित परीक्षा में निम्नलिखित प्रश्न पत्र होंगे:-	लिखित परीक्षा में निम्नलिखित प्रश्न पत्र होंगे:-
प्रश्न पत्र-I	अहंक प्रश्नपत्र :
खंड-1 निबंध 200 अंक	प्रश्न पत्र—क
खंड-2 अंग्रेजी गद्यांश को समझना (काम्प्रीहेंशन) तथा अंग्रेजी सार-लेखन (मैट्रिकुलेशन/10वीं कक्षा स्तर का) 100 अंक	(संविधान की आठवीं अनुसूची में सन्मिलित भाषाओं में से उम्मीदवारों द्वारा चुनी गई कोई एक भारतीय भाषा ।) 300 अंक
प्रश्न-पत्र-II	प्रश्न पत्र-ख.
सामान्य अध्ययन-I 250 अंक	अंग्रेजी 300 अंक
(भारतीय विरासत और संस्कृति, विश्व का इतिहास एवं भूगोल और समाज)	वरीयता क्रम के लिए जिन पत्रों को आधार बनाया जाएगा ।
प्रश्न - पत्र-III	प्रश्न पत्र-I
सामान्य अध्ययन-II 250 अंक (शासन व्यवस्था, संविधान, शासन- प्रणाली, सामाजिक न्याय तथा अंतर्राष्ट्रीय संबंध)	निबंध 250 अंक

<p>प्रश्न - पत्र-IV</p> <p>सामान्य अध्ययन-III 250 अंक (प्रौद्योगिकी, आर्थिक विकास, जैव विविधता, पर्यावरण, सुरक्षा तथा आपदा प्रबंधन)</p>	<p>प्रश्न-पत्र-II</p> <p>सामान्य अध्ययन-I 250 अंक (भारतीय विरासत और संस्कृति, विश्व का इतिहास एवं भूगोल और समाज)</p> <p>प्रश्न - पत्र-III</p> <p>सामान्य अध्ययन-II 250 अंक (शासन व्यवस्था, संविधान, शासन- प्रणाली, सामाजिक न्याय तथा अंतर्राष्ट्रीय संबंध)</p>
<p>प्रश्न - पत्र-V</p> <p>सामान्य अध्ययन-IV 250 अंक (नीतिशास्त्र, सत्यनिष्ठा और अभिरुचि)</p> <p>प्रश्न - पत्र-VI</p> <p>वैकल्पिक विषय-प्रश्न-पत्र 250 अंक</p> <p>प्रश्न - पत्र-VII</p> <p>वैकल्पिक विषय - प्रश्न - पत्र-2 250 अंक</p> <p>उप योग (लिखित परीक्षा) 1800 अंक</p> <p>व्यक्तित्व परीक्षण 275 अंक</p> <p>कुल योग 2075 अंक</p>	<p>प्रश्न - पत्र-IV</p> <p>सामान्य अध्ययन-III 250 अंक (प्रौद्योगिकी, आर्थिक विकास, जैव विविधता, पर्यावरण, सुरक्षा तथा आपदा प्रबंधन)</p> <p>प्रश्न - पत्र-V</p> <p>सामान्य अध्ययन-IV 250 अंक (नीतिशास्त्र, सत्यनिष्ठा और अभिरुचि)</p> <p>प्रश्न - पत्र-VI</p> <p>वैकल्पिक विषय-प्रश्न-पत्र-1 250 अंक</p>

<p>(उम्मीदवार निम्नांकित पैरा 2 (सम्ह-1) में दिए गए विषयों की सूची में से कोई भी वैकल्पिक चुन सकते हैं। तथापि, यदि किसी उम्मीदवार ने पैरा-2 के नीचे सम्ह-2 में उल्लिखित भाषाओं में से किसी भाषा के साहित्य में साहित्य को मुख्य विषय रखते हुए स्नातक किया है तो वह उम्मीदवार उस साहित्य विषय को भी वैकल्पिक विषय के रूप में चुन सकता है।</p>	<p>प्रश्न - पत्र-VII</p> <p>वैकल्पिक विषय - प्रश्न - पत्र-2 250 अंक</p> <p>उप योग (लिखित परीक्षा) 1750 अंक</p> <p>व्यक्तित्व परीक्षण 275 अंक</p> <p>कुल योग 2025 अंक</p> <p>उम्मीदवार नीचे पैरा-2 में दिए गए विषयों की सूची में से कोई एक वैकल्पिक विषय चुन सकते हैं।</p>
<p>टिप्पणी :</p> <p>(i) उम्मीदवारों द्वारा सभी प्रश्न-पत्रों (प्रश्न—पत्र I – VII तक) में प्राप्त अंकों का परिगणन मेरिट स्थान सूची के लिए किया जाएगा। तथापि, आयोग को परीक्षा के किसी भी अथवा सभी प्रश्न-पत्रों में अहंता अंक निर्धारित करने का विशेषाधिकार होगा।</p>	<p>टिप्पणी :</p> <p>(i) भारतीय भाषाओं और अंग्रेजी के प्रश्न पत्र (प्रश्न पत्र के एवं पश्न पत्र ख) मैट्रिकुलेशन अथवा समकक्ष स्तर के होंगे जिनमें केवल अहंता प्राप्त करनी होगी। इन प्रश्नपत्रों में प्राप्त अंकों को योग्यता क्रम निर्धारित करने में नहीं गिना जाएगा।</p> <p>(ii) सभी उम्मीदवारों के पेपरों अर्थात् 'निबंध', 'सामान्य अध्ययन' और 'वैकल्पिक विषयों' का मूल्यांकन 'भारतीय भाषाओं' और 'अंग्रेजी' में, उनके अहंक पेपरों के मूल्यांकन सहित, एक ही समय पर किया जाएगा लेकिन केवल उन्हीं उम्मीदवारों के 'निबंध', 'सामान्य अध्ययन' और 'वैकल्पिक विषयों' के पेपर का संज्ञान लिया जाएगा जो</p>

	<p>‘भारतीय भाषा’ और ‘अंग्रेजी’ के अंहक पेपरों में आयोग द्वारा स्वयिवेकानुसार निर्धारित न्यूनतम मानक प्राप्त करते हैं।</p> <p>(iii) तथापि भारतीय भाषाओं का प्रश्नपत्र का उन उम्मीदवारों के लिए अनियार्य नहीं होगा जो अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड तथा सिक्किम राज्य के हैं।</p> <p>(iv) उम्मीदवारों द्वारा केवल प्रश्न—पत्र I-VII में प्राप्त अंकों का परिगणन मेरिट स्थान सूची के लिए किया जाएगा। तथापि, आयोग को परीक्षा के किसी भी अथवा सभी प्रश्न-पत्रों में अहंता अंक निर्धारित करने का विशेषाधिकार होगा।</p>																																
<p>(ii) भाषा के माध्यम/साहित्य के लिए उम्मीदवारों द्वारा लिपियों का उपयोग निम्नानुसार किया जाएगा:-</p>	<p>(v) भाषा के माध्यम/साहित्य के लिए उम्मीदवारों द्वारा लिपियों का उपयोग निम्नानुसार किया जाएगा:-</p>																																
<table border="1"> <thead> <tr> <th>भाषा</th> <th>लिपि</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>असमिया</td> <td>असमिया</td> </tr> <tr> <td>बंगाली</td> <td>बंगाली</td> </tr> <tr> <td>गुजराती</td> <td>गुजराती</td> </tr> <tr> <td>हिन्दी</td> <td>देवनागरी</td> </tr> <tr> <td>कन्नड़</td> <td>कन्नड़</td> </tr> <tr> <td>कश्मीरी</td> <td>फारसी</td> </tr> <tr> <td>कोंकणी</td> <td>देवनागरी</td> </tr> </tbody> </table>	भाषा	लिपि	असमिया	असमिया	बंगाली	बंगाली	गुजराती	गुजराती	हिन्दी	देवनागरी	कन्नड़	कन्नड़	कश्मीरी	फारसी	कोंकणी	देवनागरी	<table border="1"> <thead> <tr> <th>भाषा</th> <th>लिपि</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>असमिया</td> <td>असमिया</td> </tr> <tr> <td>बंगाली</td> <td>बंगाली</td> </tr> <tr> <td>गुजराती</td> <td>गुजराती</td> </tr> <tr> <td>हिन्दी</td> <td>देवनागरी</td> </tr> <tr> <td>कन्नड़</td> <td>कन्नड़</td> </tr> <tr> <td>कश्मीरी</td> <td>फारसी</td> </tr> <tr> <td>कोंकणी</td> <td>देवनागरी</td> </tr> </tbody> </table>	भाषा	लिपि	असमिया	असमिया	बंगाली	बंगाली	गुजराती	गुजराती	हिन्दी	देवनागरी	कन्नड़	कन्नड़	कश्मीरी	फारसी	कोंकणी	देवनागरी
भाषा	लिपि																																
असमिया	असमिया																																
बंगाली	बंगाली																																
गुजराती	गुजराती																																
हिन्दी	देवनागरी																																
कन्नड़	कन्नड़																																
कश्मीरी	फारसी																																
कोंकणी	देवनागरी																																
भाषा	लिपि																																
असमिया	असमिया																																
बंगाली	बंगाली																																
गुजराती	गुजराती																																
हिन्दी	देवनागरी																																
कन्नड़	कन्नड़																																
कश्मीरी	फारसी																																
कोंकणी	देवनागरी																																

मलयालम	मलयालम	मलयालम	मलयालम
मणिपुरी	बंगाली	मणिपुरी	बंगाली
मराठी	देवनागरी	मराठी	देवनागरी
नेपाली	देवनागरी	नेपाली	देवनागरी
उडिया	उडिया	उडिया	उडिया
पंजाबी	गुरमुखी	पंजाबी	गुरमुखी
संस्कृत	देवनागरी	संस्कृत	देवनागरी
सिंधी	देवनागरी अथवा अरबी	सिंधी	देवनागरी अथवा अरबी
तमिल	तमिल	तमिल	तमिल
तेलुगु	तेलुगु	तेलुगु	तेलुगु
उर्दू	फारसी	उर्दू	फारसी
बोडो	देवनागरी	बोडो	देवनागरी
डोगरी	देवनागरी	डोगरी	देवनागरी
मैथिली	देवनागरी	मैथिली	देवनागरी
संथाली	देवनागरी अथवा ओलचिकी	संथाली	देवनागरी अथवा ओलचिकी
नोट:- संथाली भाषा के लिए प्रश्नपत्र देवनागरी लिपि में छपेंगे किन्तु उम्मीदवारों को उत्तर देने के लिए देवनागरी या ओलचिकी लिपि के प्रयोग का विकल्प होगा ।		नोट:- संथाली भाषा के लिए प्रश्नपत्र देवनागरी लिपि में छपेंगे किन्तु उम्मीदवारों को उत्तर देने के लिए देवनागरी या ओलचिकी लिपि के प्रयोग का विकल्प होगा ।	

2. प्रधान परीक्षा के लिए वैकल्पिक विषयों की सूची :

संग्रह-1

- (i) कृषि विज्ञान
- (ii) पशुपालन एवं पशु चिकित्सा विज्ञान
- (iii) नृविज्ञान
- (iv) वनस्पति विज्ञान
- (v) रसायन विज्ञान
- (vi) सिविल इंजीनियरी
- (vii) वाणिज्य तथा लेखा-विधि
- (viii) अर्थशास्त्र
- (ix) विद्युत इंजीनियरी
- (x) भूगोल
- (xi) भू-विज्ञान
- (xii) इतिहास
- (xiii) विधि
- (xiv) प्रबन्धन
- (xv) गणित
- (xvi) यांत्रिक इंजीनियरी
- (xvii) चिकित्सा विज्ञान
- (xviii) दर्शन शास्त्र
- (xix) भौतिकी
- (xx) राजनीति विज्ञान तथा अंतर्राष्ट्रीय संबंध
- (xxi) मनोविज्ञान
- (xxii) लोक प्रशासन
- (xxiii) समाज शास्त्र
- (xxiv) सांख्यिकी
- (xxv) प्राणि विज्ञान

2. प्रधान परीक्षा के लिए वैकल्पिक विषयों की सूची :

- (i) कृषि विज्ञान
- (ii) पशुपालन एवं पशु चिकित्सा विज्ञान
- (iii) नृविज्ञान
- (iv) वनस्पति विज्ञान
- (v) रसायन विज्ञान
- (vi) सिविल इंजीनियरी
- (vii) वाणिज्य तथा लेखा-विधि
- (viii) अर्थशास्त्र
- (ix) विद्युत इंजीनियरी
- (x) भूगोल
- (xi) भू-विज्ञान
- (xii) इतिहास
- (xiii) विधि
- (xiv) प्रबन्धन
- (xv) गणित
- (xvi) यांत्रिक इंजीनियरी
- (xvii) चिकित्सा विज्ञान
- (xviii) दर्शन शास्त्र
- (xix) भौतिकी
- (xx) राजनीति विज्ञान तथा अंतर्राष्ट्रीय संबंध
- (xxi) मनोविज्ञान
- (xxii) लोक प्रशासन
- (xxiii) समाज शास्त्र
- (xxiv) सांख्यिकी
- (xxv) प्राणि विज्ञान

संभूत-२

निम्नलिखित भाषाओं में से किसी एक भाषा का साहित्य :

असमिया, बंगाली, बोडो, डोगरी, गुजराती, हिन्दी, कन्नड़, कश्मीरी, कोंकणी, मैथिली, मलयालम, मणिपुरी, मराठी, नेपाली, उडिया, पंजाबी, संस्कृत, संथाली, सिंधी, तमिल, तेलुगू, उर्दू और अंग्रेजी ।

नोट:

- परीक्षा के प्रश्न-पत्र पारंपरिक (विवरणात्मक) प्रकार के होंगे ।
- प्रत्येक प्रश्न-पत्र तीन घंटे की अवधि का होगा ।
- उम्मीदवारों को यह विकल्प उपलब्ध होगा कि वे प्रश्न-पत्र-I के खंड-2 (अंग्रेजी कांप्रीहेंशन तथा अंग्रेजी सार-लेखन) को छोड़कर सभी प्रश्न-पत्रों के उत्तर अंग्रेजी अथवा हिन्दी में दे सकते हैं । यदि किसी उम्मीदवार ने निम्नलिखित में से किसी भाषा माध्यम से स्नातक किया है और उस भाषा माध्यम का प्रयोग स्नातक स्तर की परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए किया है तो वह उम्मीदवार उस भाषा माध्यम का चुनाव प्रश्न-पत्र-I के खंड-2 (अंग्रेजी कांप्रीहेंशन तथा अंग्रेजी सार-लेखन) को छोड़कर सभी प्रश्न-पत्रों के उत्तर देने के लिए कर सकता/सकती है ।

(xxvi) निम्नलिखित भाषाओं में से किसी एक भाषा का साहित्य :

असमिया, बंगाली, बोडो, डोगरी, गुजराती, हिन्दी, कन्नड़, कश्मीरी, कोंकणी, मैथिली, मलयालम, मणिपुरी, मराठी, नेपाली, उडिया, पंजाबी, संस्कृत, संथाली, सिंधी, तमिल, तेलुगू, उर्दू और अंग्रेजी ।

नोट:

- परीक्षा के प्रश्न-पत्र पारंपरिक (विवरणात्मक) प्रकार के होंगे ।
- प्रत्येक प्रश्न-पत्र तीन घंटे की अवधि का होगा ।
- अर्हक भाषा प्रश्न पत्रों, प्रश्न पत्र के तथा य को छोड़कर सभी प्रश्नों के उत्तर भारत के संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल किसी भी भाषा या अंग्रेजी में देने का विकल्प होगा ।
- जो उम्मीदवार प्रश्नपत्रों के उत्तर देने के लिए उपर्युक्त भाषाओं में से किसी एक भाषा का चयन करते हैं, वे यदि चाहें तो केवल तकनीकी शब्दों में, यदि कोई हो, का विवरण स्वयं द्वारा चयन की गई भाषा के अतिरिक्त कोष्ठक (ब्रैकेट) में अंग्रेजी में भी दे सकते हैं । तथापि, उम्मीदवार यह नोट करें कि यदि वे उपर्युक्त नियम का दुरुपयोग करते हैं तो इस कारणवश कुल प्राप्तांकों, जो उन्हें अन्यथा प्राप्त हुए होते, में से कटौती की जाएगी और असाधारण मामलों में

असमिया, बंगाली, बोडो, डोगरी, गुजराती, कन्नड़, कश्मीरी, काँकणी, मैथिली, मलयालम, मणिपुरी, मराठी, नेपाली, उडिया, पंजाबी, संस्कृत, संथाली, सिंधी, तमिल, तेलुगू तथा उर्दू ।

(iv) तथापि, परीक्षा की गुणवत्ता और उच्च स्तर बनाए रखने के लिए न्यूनतम 25 (पच्चीस) उम्मीदवार प्रश्न-पत्रों का किसी भाषा माध्यम विशेष में उत्तर देने के लिए उस भाषा माध्यम का चुनाव करेंगे । यदि किसी अनुमोदित भाषा माध्यम (अंग्रेजी अथवा हिन्दी को छोड़कर) का चुनाव करने वाले उम्मीदवारों की संख्या 25 (पच्चीस) से कम है तो ऐसे उम्मीदवारों को अपनी परीक्षा हिन्दी अथवा अंग्रेजी में ही देनी होगी ।

(v) जो उम्मीदवार प्रश्नपत्रों के उत्तर देने के लिए उपर्युक्त भाषाओं में से किसी एक भाषा का चयन करते हैं, वे यदि चाहें तो केवल तकनीकी शब्दों में, यदि कोई हाँ का विवरण स्वयं द्वारा चयन की गई भाषा के अतिरिक्त कोष्ठक (बैकेट) में अंग्रेजी में भी दे सकते हैं । तथापि, उम्मीदवार यह नोट करें कि यदि वे उपर्युक्त नियम का दुरुपयोग करते हैं तो इस कारणवश कुल प्राप्तांकों, जो उन्हें अन्यथा प्राप्त हुए होते, में से कटौती की जाएगी और असाधारण मामलों में उनके उत्तर अनधिकृत माध्यम में होने के कारण उनकी उत्तर-पुस्तिका (ओं) का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।

उनके उत्तर अनधिकृत माध्यम में होने के कारण उनकी उत्तर-पुस्तिका (ओं) का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।

(v) प्रश्न पत्र (भाषा के साहित्य के प्रश्न पत्रों को छोड़कर) केवल हिन्दी तथा अंग्रेजी में तैयार किए जाएंगे ।

(vi) पाठ्यक्रम का विवरण खंड-III के भाग ख में दिया गया है ।

<p>(vi) प्रश्न पत्र (भाषा के साहित्य के प्रश्न पत्रों को छोड़कर) केवल हिन्दी तथा अंग्रेजी में तैयार किए जाएंगे ।</p> <p>(vii) पाठ्यक्रम का विवरण खंड-III के भाग ख में दिया गया है ।</p>	
<p>सामान्य अनुदेश (प्रारंभिक तथा प्रधान परीक्षा):</p> <p>I. उम्मीदवारों को प्रश्नपत्रों के उत्तर स्वयं लिखने चाहिए । किसी भी परिस्थिति में उन्हें उत्तर लिखने के लिए किसी अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी । तथापि दृष्टिहीन उम्मीदवारों को लेखन सहायक (स्क्राइब) की सहायता से परीक्षा में उत्तर लिखने की अनुमति होगी । दृष्टिहीन उम्मीदवारों को प्रत्येक प्रश्नपत्र के लिए तीस मिनट का अतिरिक्त समय दस मिनट प्रति घण्टा के हिसाब से दिया जाएगा ।</p> <p>II. केवल सिविल सेवा (प्रधान) परीक्षा के लिए, उन उम्मीदवारों को जो चलने में असमर्थ हैं तथा प्रमस्तिष्कीय पक्षाधात से पीड़ित हैं और जहां उनकी यह असमर्थता, उनकी कार्य-निष्पादन क्षमता (लेखन) (न्यूनतम 40% अक्षमता) को प्रभावित करती है, उन्हें प्रत्येक घण्टे में 20 मिनट का अतिरिक्त समय दिया जाएगा, तथापि ऐसे उम्मीदवारों को स्क्राइब लेने की अनुमति नहीं होगी ।</p>	<p>सामान्य अनुदेश (प्रारंभिक तथा प्रधान परीक्षा):</p> <p>I. उम्मीदवारों को प्रश्नपत्रों के उत्तर स्वयं लिखने चाहिए । किसी भी परिस्थिति में उन्हें उत्तर लिखने के लिए किसी अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी । तथापि दृष्टिहीन उम्मीदवारों को लेखन सहायक (स्क्राइब) की सहायता से परीक्षा में उत्तर लिखने की अनुमति होगी । दृष्टिहीन उम्मीदवारों को प्रत्येक प्रश्नपत्र के लिए तीस मिनट का अतिरिक्त समय दस मिनट प्रति घण्टा के हिसाब से दिया जाएगा ।</p> <p>II. केवल सिविल सेवा (प्रधान) परीक्षा के लिए, उन उम्मीदवारों को जो चलने में असमर्थ हैं तथा प्रमस्तिष्कीय पक्षाधात से पीड़ित हैं और जहां उनकी यह असमर्थता, उनकी कार्य-निष्पादन क्षमता (लेखन) (न्यूनतम 40% अक्षमता) को प्रभावित करती है, उन्हें प्रत्येक घण्टे में 20 मिनट का अतिरिक्त समय दिया जाएगा, तथापि ऐसे उम्मीदवारों को स्क्राइब लेने की अनुमति नहीं होगी ।</p>

टिप्पणी- 1 : किसी लेखन सहायक (स्क्राइब) की योग्यता की शर्तें, परीक्षा हाल में उसके आचरण तथा वह सिविल सेवा परीक्षा के उत्तर लिखने में दृष्टिहीन उम्मीदवारों की किस प्रकार और किस सीमा तक सहायता कर सकता/सकती है, इन सब बातों का नियमन संघ सेवा आयोग द्वारा जारी अनुदेशों के अनुसार किया जाएगा । इन सभी या इनमें से किसी एक अनुदेश का उल्लंघन होने पर दृष्टिहीन उम्मीदवार की उम्मीदवारी रद्द की जा सकती है । इसके अतिरिक्त संघ लोक सेवा आयोग लेखन सहायक के विरुद्ध अन्य कार्रवाई भी कर सकता है ।

टिप्पणी- 2 : इन नियमों का पालन करने के लिए किसी उम्मीदवार को तभी दृष्टिहीन उम्मीदवार माना जाएगा यदि दृष्टिदोष का प्रतिशत 40 (चालीस प्रतिशत) या इससे अधिक हो, दृष्टिदोष की प्रतिशतता निर्धारित करने के लिए निम्नलिखित कसौटी को आधार माना जाएगा ।

टिप्पणी- 1 : किसी लेखन सहायक (स्क्राइब) की योग्यता की शर्तें, परीक्षा हाल में उसके आचरण तथा वह सिविल सेवा परीक्षा के उत्तर लिखने में दृष्टिहीन उम्मीदवारों की किस प्रकार और किस सीमा तक सहायता कर सकता/सकती है, इन सब बातों का नियमन संघ सेवा आयोग द्वारा जारी अनुदेशों के अनुसार किया जाएगा । इन सभी या इनमें से किसी एक अनुदेश का उल्लंघन होने पर दृष्टिहीन उम्मीदवार की उम्मीदवारी रद्द की जा सकती है । इसके अतिरिक्त संघ लोक सेवा आयोग लेखन सहायक के विरुद्ध अन्य कार्रवाई भी कर सकता है ।

टिप्पणी- 2 : इन नियमों का पालन करने के लिए किसी उम्मीदवार को तभी दृष्टिहीन उम्मीदवार माना जाएगा यदि दृष्टिदोष का प्रतिशत 40 (चालीस प्रतिशत) या इससे अधिक हो, दृष्टिदोष की प्रतिशतता निर्धारित करने के लिए निम्नलिखित कसौटी को आधार माना जाएगा ।

सुधारों के साथ				सुधारों के साथ			
	स्वस्थ आंख	खराब आंख	प्रतिशतता		स्वस्थ आंख	खराब आंख	प्रतिशतता
1	2	3	4	1	2	3	4
वर्ग 0	6/9-6/18	6/24 से 6/36 तक	20%	वर्ग 0	6/9-6/18	6/24 से 6/36 तक	20%
वर्ग 1	6/18-6/36	6/60 से शून्य तक	40%	वर्ग 1	6/18-6/36	6/60 से शून्य तक	40%
वर्ग ॥	6/60-4/60 अथवा दृष्टि का क्षेत्र 10-20°	3/60 से शून्य तक	75%	वर्ग ॥	6/60-4/60 अथवा दृष्टि का क्षेत्र 10-20°	3/60 से शून्य तक	75%
वर्ग ॥॥	3/60-1/60 अथवा दृष्टि का क्षेत्र 10°	एफ.सी. 1 फुट से शून्य तक	100%	वर्ग ॥॥	3/60-1/60 अथवा दृष्टि का क्षेत्र 10°	एफ.सी. 1 फुट से शून्य तक	100%
वर्ग ॥॥॥	एफ.सी. 1 फुट से शून्य तक दृष्टि का क्षेत्र 100°	एफ.सी. 1 फुट से शून्य तक दृष्टि का क्षेत्र 100°	100%	वर्ग ॥॥॥	एफ.सी. 1 फुट से शून्य तक दृष्टि का क्षेत्र 100°	एफ.सी. 1 फुट से शून्य तक दृष्टि का क्षेत्र 100°	100%
एक आंख वाला व्यक्ति	6/6	एफ.सी. 1 फुट से शून्य तक	30%	एक आंख वाला व्यक्ति	6/6	एफ.सी. 1 फुट से शून्य तक	30%

<p>टिप्पणी-3 दृष्टिहीन उम्मीदवारों को स्वीकार्य छूट प्राप्त करने के लिए संबंधित उम्मीदवार को प्रधान परीक्षा के आवेदन पत्र के साथ निर्धारित प्रपत्र में केन्द्र/राज्य सरकार द्वारा गठित बोर्ड से इस आशय का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा ।</p>	<p>टिप्पणी-3 दृष्टिहीन उम्मीदवारों को स्वीकार्य छूट प्राप्त करने के लिए संबंधित उम्मीदवार को प्रधान परीक्षा के आवेदन पत्र के साथ निर्धारित प्रपत्र में केन्द्र/राज्य सरकार द्वारा गठित बोर्ड से इस आशय का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा ।</p>
<p>टिप्पणी -4 (i) दृष्टिहीन उम्मीदवारों को दी जाने वाली छूट निकटदृष्टिता से पीडित उम्मीदवारों को देय नहीं होगी।</p>	<p>टिप्पणी -4 (i) दृष्टिहीन उम्मीदवारों को दी जाने वाली छूट निकटदृष्टिता से पीडित उम्मीदवारों को देय नहीं होगी।</p>
<p>(ii) आयोग अपने विवेक से परीक्षा के किसी भी एक या सभी विषयों में अर्हक अंक निश्चित कर सकता है।</p>	<p>(ii) आयोग अपने विवेक से परीक्षा के किसी भी एक या सभी विषयों में अर्हक अंक निश्चित कर सकता है।</p>
<p>(iii) यदि किसी उम्मीदवार की लिखावट आसानी से न पढ़ी जा सके तो उसको मिलने वाले अंकों में से कुछ अंक काट लिए जायेंगे।</p>	<p>(iii) यदि किसी उम्मीदवार की लिखावट आसानी से न पढ़ी जा सके तो उसको मिलने वाले अंकों में से कुछ अंक काट लिए जायेंगे।</p>
<p>(iv) सतही जान के लिए अंक नहीं दिए जाएंगे ।</p>	<p>(iv) सतही जान के लिए अंक नहीं दिए जाएंगे ।</p>
<p>(v) परीक्षा के सभी विषयों में कम से कम शब्दों में की गई संगठित, सूक्ष्म और सशक्त अभिव्यक्ति को श्रेय मिलेगा।</p>	<p>(v) परीक्षा के सभी विषयों में कम से कम शब्दों में की गई संगठित, सूक्ष्म और सशक्त अभिव्यक्ति को श्रेय मिलेगा।</p>
<p>(vi) प्रश्न पत्रों में यथा आवश्यक एस.आई.(S.I.) इकाइयों का प्रयोग किया जाएगा।</p>	<p>(vi) प्रश्न पत्रों में यथा आवश्यक एस.आई.(S.I.) इकाइयों का प्रयोग किया जाएगा।</p>
<p>(vii) उम्मीदवार प्रश्न पत्रों के उत्तर देते समय केवल भारतीय अंकों के अन्तर्राष्ट्रीय रूप (जैसे 1,2,3,4,5,6 आदि) का ही प्रयोग करें।</p>	<p>(vii) उम्मीदवार प्रश्न पत्रों के उत्तर देते समय केवल भारतीय अंकों के अन्तर्राष्ट्रीय रूप (जैसे 1,2,3,4,5,6 आदि) का ही प्रयोग करें।</p>

(viii) उम्मीदवारों को संघ लोक सेवा आयोग की परंपरागत (निबंध) शैली के प्रश्न पत्रों के लिए साइंटिफिक (नान प्रोग्रामेबल) प्रकार के कैलकुलेटरों का प्रयोग करने की अनुमति है। यद्यपि प्रोग्रामेबल प्रकार के कैलकुलटरों के प्रयोग की अनुमति नहीं है तथापि इनका प्रयोग उम्मीदवार द्वारा अनुचित साधन अपनाया जाना माना जाएगा। परीक्षा भवन में कैलकुलेटरों को मांगने या बदलने की अनुमति नहीं है।

यह ध्यान रखना भी आवश्यक है कि उम्मीदवार वस्तुपरक प्रश्नपत्रों (परीक्षण पुस्तिका) का उत्तर देने के लिए कैलकुलेटरों का प्रयोग नहीं कर सकते। अतः वे उन्हें परीक्षा भवन में ना लाएं।

ग. साक्षात्कार परीक्षण :

1. उम्मीदवार का साक्षात्कार एक बोर्ड द्वारा होगा जिसके सामने उम्मीदवार के परिचयवृत्त का अभिलेख होगा। उससे सामान्य रुचि की बातों पर प्रश्न पूछे जाएंगे। यह साक्षात्कार इस उद्देश्य से होगा की सक्षम और निष्पक्ष प्रेक्षकों का बोर्ड यह जान सके कि उम्मीदवार लोक सेवा के लिए व्यक्तित्व कि इष्टि से उपयुक्त है या नहीं। यह परीक्षा उम्मीदवार की मानसिक क्षमता को जांचने के अभिप्राय से की जाती है। मोटे तौर पर इस परीक्षा का प्रयोजन वास्तव में न केवल उसके बौद्धिक गुणों को अपितु उसके सामाजिक लक्षणों और

(viii) उम्मीदवारों को संघ लोक सेवा आयोग की परंपरागत (निबंध) शैली के प्रश्न पत्रों के लिए साइंटिफिक (नान प्रोग्रामेबल) प्रकार के कैलकुलेटरों का प्रयोग करने की अनुमति है। यद्यपि प्रोग्रामेबल प्रकार के कैलकुलटरों का प्रयोग उम्मीदवार द्वारा अनुचित साधन अपनाया जाना माना जाएगा। परीक्षा भवन में कैलकुलेटरों को मांगने या बदलने की अनुमति नहीं है।

यह ध्यान रखना भी आवश्यक है कि उम्मीदवार वस्तुपरक प्रश्नपत्रों (परीक्षण पुस्तिका) का उत्तर देने के लिए कैलकुलेटरों का प्रयोग नहीं कर सकते। अतः वे उन्हें परीक्षा भवन में ना लाएं।

ग. साक्षात्कार परीक्षण :

1. उम्मीदवार का साक्षात्कार एक बोर्ड द्वारा होगा जिसके सामने उम्मीदवार के परिचयवृत्त का अभिलेख होगा। उससे सामान्य रुचि की बातों पर प्रश्न पूछे जाएंगे। यह साक्षात्कार इस उद्देश्य से होगा की सक्षम और निष्पक्ष प्रेक्षकों का बोर्ड यह जान सके कि उम्मीदवार लोक सेवा के लिए व्यक्तित्व कि इष्टि से उपयुक्त है या नहीं। यह परीक्षा उम्मीदवार की मानसिक क्षमता को जांचने के अभिप्राय से की जाती है। मोटे तौर इस परीक्षा का प्रयोजन वास्तव में न केवल उसके बौद्धिक गुणों को अपितु उसके सामाजिक लक्षणों और सामाजिक घटनाओं में उसकी रुचि का भी

सामाजिक घटनाओं में उसकी रुचि का भी मूल्यांकन करना है। इसमें उम्मीदवार की मानसिक सतर्कता, आलोचनात्मक ग्रहण शक्ति, स्पष्ट और तर्कसंगत प्रतिपादन की शक्ति, संतुलित निर्णय की शक्ति, रुचि की विविधता और गहराई, नेतृत्व और सामाजिक संगठन की योग्यता, बौद्धिक और नैतिक ईमानदारी की भी जांच की जा सकती है।

2. साक्षात्कार में प्रति परीक्षण (क्रास एग्जामिनेशन) की प्रणाली नहीं अपनाई जाती। इसमें स्वाभाविक वार्तालाप के माध्यम से उम्मीदवार के मानसिक गुणों का पता लगाने का प्रयत्न किया जाता है, परन्तु वह वार्तालाप एक विशेष दिशा में और एक विशेष प्रयोजन से किया जाता है।

3. साक्षात्कार परीक्षण उम्मीदवारों के विशेष या सामान्य ज्ञान की जांच करने के प्रयोजन से नहीं किया जाता, क्योंकि उसकी जांच लिखित प्रश्न पत्रों से पहले ही हो जाती है। उम्मीदवारों से आशा की जाती है कि वे न केवल अपने शैक्षणिक विशेष विषयों में ही पारंगत हों बल्कि उन घटनाओं पर भी ध्यान दें जो उनके चारों ओर अपने राज्य या देश के भीतर और बाहर घट रही हैं तथा आधुनिक विचारधारा और नई-नई खोजों में भी रुचि लें जो कि किसी सुशिक्षित युवा में जिजासा पैदा कर सकती है।

मूल्यांकन करना है। इसमें उम्मीदवार की मानसिक सतर्कता, आलोचनात्मक ग्रहण शक्ति, स्पष्ट और तर्कसंगत प्रतिपादन की शक्ति, संतुलित निर्णय की शक्ति, रुचि की विविधता और गहराई, नेतृत्व और सामाजिक संगठन की योग्यता, बौद्धिक और नैतिक ईमानदारी की भी जांच की जा सकती है।

2. साक्षात्कार में प्रति परीक्षण (क्रास एग्जामिनेशन) की प्रणाली नहीं अपनाई जाती। इसमें स्वाभाविक वार्तालाप के माध्यम से उम्मीदवार के मानसिक गुणों का पता लगाने का प्रयत्न किया जाता है, परन्तु वह वार्तालाप एक विशेष दिशा में और एक विशेष प्रयोजन से किया जाता है।

3. साक्षात्कार परीक्षण उम्मीदवारों के विशेष या सामान्य ज्ञान की जांच करने के प्रयोजन से नहीं किया जाता, क्योंकि उसकी जांच लिखित प्रश्न पत्रों से पहले ही हो जाती है। उम्मीदवारों से आशा की जाती है कि वे न केवल अपने शैक्षणिक विशेष विषयों में ही पारंगत हों बल्कि उन घटनाओं पर भी ध्यान दें जो उनके चारों ओर अपने राज्य या देश के भीतर और बाहर घट रही हैं तथा आधुनिक विचारधारा और नई-नई खोजों में भी रुचि लें जो कि किसी सुशिक्षित युवा में जिजासा पैदा कर सकती है।

खण्ड-III

परीक्षा का पाठ्य विवरण

नोट: उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे प्रारंभिक परीक्षा के लिए इस खण्ड में प्रकाशित पाठ्यक्रम का अध्ययन करें। क्योंकि कई विषयों के पाठ्यक्रम में समय-समय पर परिवर्तन किए गए हैं।

भाग - क प्रारंभिक परीक्षा

प्रश्न पत्र-1 (200 अंक) अवधि : दो घंटे

- राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्व की सामयिक घटनाएं.
- भारत का इतिहास और भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन.
- भारत एवं विश्व भूगोल-भारत एवं विश्व का प्राकृतिक, सामाजिक, आर्थिक भूगोल.
- भारतीय राज्यतन्त्र और शासन-संविधान, राजनैतिक प्रणाली, पंचायती राज, लोक नीति, अधिकारों संबंधी मुद्दे आदि।
- आर्थिक और सामाजिक विकास-सतत विकास, गरीबी, समावेशन जनसांख्यिकी, सामाजिक क्षेत्र में की गई पहल आदि।
- पर्यावरणीय परिस्थितिकीय, जैव-विविधता और मौसम परिवर्तन संबंधी सामान्य मुद्दे, जिनके लिए विषयगत विशेषज्ञता आवश्यक नहीं है।
- सामान्य विज्ञान।

खण्ड-III

परीक्षा का पाठ्य विवरण

नोट: उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे प्रारंभिक परीक्षा के लिए इस खण्ड में प्रकाशित पाठ्यक्रम का अध्ययन करें। क्योंकि कई विषयों के पाठ्यक्रम में समय-समय पर परिवर्तन किए गए हैं।

भाग - क प्रारंभिक परीक्षा

प्रश्न पत्र-1 (200 अंक) अवधि : दो घंटे

- राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्व की सामयिक घटनाएं.
- भारत का इतिहास और भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन.
- भारत एवं विश्व भूगोल-भारत एवं विश्व का प्राकृतिक, सामाजिक, आर्थिक भूगोल.
- भारतीय राज्यतन्त्र और शासन-संविधान, राजनैतिक प्रणाली, पंचायती राज, लोक नीति, अधिकारों संबंधी मुद्दे आदि।
- आर्थिक और सामाजिक विकास-सतत विकास, गरीबी, समावेशन जनसांख्यिकी, सामाजिक क्षेत्र में की गई पहल आदि।
- पर्यावरणीय परिस्थितिकीय, जैव-विविधता और मौसम परिवर्तन संबंधी सामान्य मुद्दे, जिनके लिए विषयगत विशेषज्ञता आवश्यक नहीं है।
- सामान्य विज्ञान।

प्रश्न पत्र -II (200 अंक) अवधि : दो घंटे

- बोधगम्यता
- संचार कौशल सहित अंतर-वैयक्तिक कौशल
- तार्किक कौशल एवं विक्षेपणात्मक क्षमता
- निर्णय लेना और समस्या समाधान
- सामान्य मानसिक योग्यता
- आधारभूत संख्यनन (संख्याएं और उनके संबंध, विस्तार क्रम आदि) (दसवीं कक्षा का स्तर), आंकड़ों का निर्वचन (चार्ट, ग्राफ, तालिका, आंकड़ों की पर्यासता आदि-दसवीं कक्षा के स्तर)
- अंग्रेजी भाषा में बोधगम्यता कौशल (दसवीं कक्षा का स्तर)

टिप्पणी : 1 दसवीं कक्षा स्तर के अंग्रेजी भाषा में बोधगम्यता कौशल (प्रश्नपत्र -II के पाठ्यक्रम में अंतिम मद) से संबद्ध प्रश्नों का परीक्षण, प्रश्नपत्र में केवल अंग्रेजी भाषा के उद्धरणों के माध्यम से, हिंदी अनुवाद उपलब्ध कराए बिना किया जाएगा ।

टिप्पणी : 2 प्रश्न बहुविकल्पीय, वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे ।

प्रश्न पत्र -II (200 अंक) अवधि : दो घंटे

- बोधगम्यता
- संचार कौशल सहित अंतर-वैयक्तिक कौशल
- तार्किक कौशल एवं विक्षेपणात्मक क्षमता
- निर्णय लेना और समस्या समाधान
- सामान्य मानसिक योग्यता
- आधारभूत संख्यनन (संख्याएं और उनके संबंध, विस्तार क्रम आदि) (दसवीं कक्षा का स्तर), आंकड़ों का निर्वचन (चार्ट, ग्राफ, तालिका, आंकड़ों की पर्यासता आदि-दसवीं कक्षा के स्तर)
- अंग्रेजी भाषा में बोधगम्यता कौशल (दसवीं कक्षा का स्तर)

टिप्पणी : 1 दसवीं कक्षा स्तर के अंग्रेजी भाषा में बोधगम्यता कौशल (प्रश्नपत्र -II के पाठ्यक्रम में अंतिम मद) से संबद्ध प्रश्नों का परीक्षण, प्रश्नपत्र में केवल अंग्रेजी भाषा के उद्धरणों के माध्यम से, हिंदी अनुवाद उपलब्ध कराए बिना किया जाएगा ।

टिप्पणी : 2 प्रश्न बहुविकल्पीय, वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे ।

टिप्पणी : 3 मूल्यांकन के प्रयोजन से उम्मीदवार के लिए यह अनिवार्य है कि वह सिविल सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा के दोनों पेपरों में सम्मिलित हो, यदि कोई उम्मीदवार सिविल सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा के दोनों पेपरों में सम्मिलित नहीं होता है तब उसे अयोग्य ठहराया जाएगा ।

भाग-ख	भाग-ख
<p>प्रधान परीक्षा</p> <p>प्रधान परीक्षा का उद्देश्य उम्मीदवारों के समग्र बौद्धिक गुणों तथा उनके गहन ज्ञान का आकलन करना है, मात्र उनकी सूचना के भंडार तथा स्मरण शक्ति का आकलन करना नहीं ।</p> <p>सामान्य अध्ययन के प्रश्न-पत्रों (प्रश्न-पत्र-II से प्रश्न-पत्र-V) के प्रश्नों का स्वरूप तथा इनका स्तर ऐसा होगा कि कोई भी सुशिक्षित व्यक्ति बिना किसी विशेष अध्ययन के इनका उत्तर दे सके । प्रश्न ऐसे होंगे जिनसे विविध विषयों पर उम्मीदवार की सामान्य जानकारी का परीक्षण किया जा सके और जो सिविल सेवा में कैरियर से संबंधित होंगे । प्रश्न इस प्रकार के होंगे जो सभी प्रासंगिक विषयों के बारे में उम्मीदवार की आधारभूत समझ तथा परस्पर-विरोधी सामाजिक-आर्थिक लक्ष्यों, उद्देश्यों और मांगों का विश्लेषण तथा इन पर दृष्टिकोण अपनाने की क्षमता का परीक्षण करें । उम्मीदवार संगत, सार्थक तथा सारगम्भित उत्तर दें ।</p>	<p>प्रधान परीक्षा</p> <p>प्रधान परीक्षा का उद्देश्य उम्मीदवारों के समग्र बौद्धिक गुणों तथा उनके गहन ज्ञान का आकलन करना है, मात्र उनकी सूचना के भंडार तथा स्मरण शक्ति का आकलन करना नहीं ।</p> <p>सामान्य अध्ययन के प्रश्न-पत्रों (प्रश्न-पत्र-II से प्रश्न-पत्र-V) के प्रश्नों का स्वरूप तथा इनका स्तर ऐसा होगा कि कोई भी सुशिक्षित व्यक्ति बिना किसी विशेष अध्ययन के इनका उत्तर दे सके । प्रश्न ऐसे होंगे जिनसे विविध विषयों पर उम्मीदवार की सामान्य जानकारी का परीक्षण किया जा सके और जो सिविल सेवा में कैरियर से संबंधित होंगे । प्रश्न इस प्रकार के होंगे जो सभी प्रासंगिक विषयों के बारे में उम्मीदवार की आधारभूत समझ तथा परस्पर-विरोधी सामाजिक-आर्थिक लक्ष्यों, उद्देश्यों और मांगों का विश्लेषण तथा इन पर दृष्टिकोण अपनाने की क्षमता का परीक्षण करें । उम्मीदवार संगत, सार्थक तथा सारगम्भित उत्तर दें ।</p>

परीक्षा के लिए वैकल्पिक विषय के प्रश्न-पत्रों (प्रश्न-पत्र-VI तथा प्रश्न-पत्र VII) के पाठ्यक्रम का स्तर मुख्य रूप से ऑनर्स डिग्री स्तर अर्थात् स्नातक डिग्री से ऊपर और स्नातकोत्तर (मास्टर्स) डिग्री से निम्नतर स्तर का है। इंजीनियरी, चिकित्सा विज्ञान और विधि के मामले में प्रश्न-पत्र का स्तर स्नातक की डिग्री के स्तर का है।

सिविल सेवा (प्रधान) परीक्षा की योजना में सम्मिलित प्रश्न-पत्रों का पाठ्यक्रम निम्नानुसार है :-

परीक्षा के लिए वैकल्पिक विषय के प्रश्न-पत्रों (प्रश्न-पत्र-VI तथा प्रश्न-पत्र VII) के पाठ्यक्रम का स्तर मुख्य रूप से ऑनर्स डिग्री स्तर अर्थात् स्नातक डिग्री से ऊपर और स्नातकोत्तर (मास्टर्स) डिग्री से निम्नतर स्तर का है। इंजीनियरी, चिकित्सा विज्ञान और विधि के मामले में प्रश्न-पत्र का स्तर स्नातक की डिग्री के स्तर का है।

सिविल सेवा (प्रधान) परीक्षा की योजना में सम्मिलित प्रश्न-पत्रों का पाठ्यक्रम निम्नानुसार है :-

भारतीय भाषाओं और अंग्रेजी पर अर्हक प्रश्न पत्र

इस प्रश्न पत्र का उद्देश्य अंग्रेजी तथा संबंधित भारतीय भाषा में अपने विचारों को स्पष्ट तथा सही रूप से प्रकट करना तथा गंभीर तर्कपूर्ण गद्य को पढ़ने और समझने में उम्मीदवार की योग्यता की परीक्षा करना है:

प्रश्न पत्रों का स्वरूप आमतौर पर निम्न प्रकार का होगा :

(i) दिए गए गद्यांशों को समझना

(ii) संक्षेपण

(iii) शब्द प्रयोग तथा शब्द भंडार

(iv) लघु निबंध

भारतीय भाषाएँ :-

(i) दिए गए गदांशों को समझना

(ii) संक्षेपण

(iii) शब्द प्रयोग तथा शब्द भंडार

(iv) लघु निबंध

(v) अंग्रेजी से भारतीय भाषा तथा भारतीय भाषा से अंग्रेजी में अनुवाद

टिप्पणी 1 : भारतीय भाषाओं और अंग्रेजी के प्रश्न पत्र मैट्रिकुलेशन या समकक्ष स्तर के होंगे जिनमें केवल अहंता प्राप्त करनी है। इन प्रश्न पत्रों में प्राप्तांक योग्यता क्रम के निर्धारण में नहीं गिने जाएंगे।

टिप्पणी 2 : अंग्रेजी तथा भारतीय भाषाओं के प्रश्न पत्रों के उत्तर उम्मीदवारों को अंग्रेजी तथा संबंधित भारतीय भाषा में देने होंगे। (अनुवाद को छोड़कर)।

प्रश्न-पत्र-I	प्रश्न-पत्र-II
<p>निबंध: उम्मीदवार को एक विनिर्दिष्ट विषय पर निबंध लिखना होगा। विषयों के विकल्प दिए जाएंगे। उनसे आशा की जाती है कि अपने विचारों को निबंध के विषय के निकट रखते हुए क्रमबद्ध करें तथा संक्षेप में लिखें। प्रभावशाली एवं सटीक अभिव्यक्तियों के लिए श्रेय दिया जाएगा।</p> <p>अंग्रेजी भाषा में गदांशों को समझने (काम्प्रीहेंशन) और अंग्रेजी सार-लेखन (10वीं कक्षा के स्तर के) की जांच के लिए अंग्रेजी गदांशों को समझना (काम्प्रीहेंशन) और अंग्रेजी सार-लेखन होंगे।</p>	<p>निबंध: उम्मीदवार को एक विनिर्दिष्ट विषय पर निबंध लिखना होगा। विषयों के विकल्प दिए जाएंगे। उनसे आशा की जाती है कि अपने विचारों को निबंध के विषय के निकट रखते हुए क्रमबद्ध करें तथा संक्षेप में लिखें। प्रभावशाली एवं सटीक अभिव्यक्तियों के लिए श्रेय दिया जाएगा।</p> <p>हटा दिया गया है।</p>
<p>प्रश्न-पत्र-II</p> <p>सामान्य अध्ययन - I : भारतीय विरासत और संस्कृति, विश्व का इतिहास एवं भूगोल और समाज</p> <ul style="list-style-type: none"> भारतीय संस्कृति में प्राचीन काल से आधुनिक काल तक के कला के रूप, साहित्य और वास्तुकला के मुख्य पहलू शामिल होंगे। 18वीं सदी के लगभग मध्य से लेकर वर्तमान समय तक का आधुनिक भारतीय इतिहास-महत्वपूर्ण घटनाएं, व्यक्तित्व, विषय। स्वतंत्रता संग्राम- इसके विभिन्न चरण और देश के विभिन्न भागों से इसमें 	<p>प्रश्न-पत्र-II</p> <p>सामान्य अध्ययन - I : भारतीय विरासत और संस्कृति, विश्व का इतिहास एवं भूगोल और समाज</p> <ul style="list-style-type: none"> भारतीय संस्कृति में प्राचीन काल से आधुनिक काल तक के कला के रूप, साहित्य और वास्तुकला के मुख्य पहलू शामिल होंगे। 18वीं सदी के लगभग मध्य से लेकर वर्तमान समय तक का आधुनिक भारतीय इतिहास-महत्वपूर्ण घटनाएं, व्यक्तित्व, विषय। स्वतंत्रता संग्राम- इसके विभिन्न चरण और देश के विभिन्न भागों से इसमें अपना

<p>अपना योगदान देने वाले महत्वपूर्ण व्यक्ति/उनका योगदान ।</p>	<p>योगदान देने वाले महत्वपूर्ण व्यक्ति/उनका योगदान ।</p>
<ul style="list-style-type: none"> स्वतंत्रता के पश्चात देश के अंदर एकीकरण और पुनर्गठन । विश्व के इतिहास में 18वीं सदी की घटनाएं यथा औद्योगिक क्रांति, विश्व युद्ध, राष्ट्रीय सीमाओं का पुनः सीमांकन, उपनिवेशवाद, उपनिवेशवाद की समाप्ति, राजनीतिक दर्शन शास्त्र जैसे साम्यवाद, पूंजीवाद, समाजवाद आदि शामिल होंगे, उनके रूप और समाज पर उनका प्रभाव । 	<ul style="list-style-type: none"> स्वतंत्रता के पश्चात देश के अंदर एकीकरण और पुनर्गठन । विश्व के इतिहास में 18वीं सदी की घटनाएं यथा औद्योगिक क्रांति, विश्व युद्ध, राष्ट्रीय सीमाओं का पुनः सीमांकन, उपनिवेशवाद, उपनिवेशवाद की समाप्ति, राजनीतिक दर्शन शास्त्र जैसे साम्यवाद, पूंजीवाद, समाजवाद आदि शामिल होंगे, उनके रूप और समाज पर उनका प्रभाव ।
<ul style="list-style-type: none"> भारतीय समाज की मुख्य विशेषताएं, भारत की विविधता । 	<ul style="list-style-type: none"> भारतीय समाज की मुख्य विशेषताएं, भारत की विविधता ।
<ul style="list-style-type: none"> महिलाओं की भूमिका और महिला संगठन, जनसंख्या एवं सम्बद्ध मुद्दे, गरीबी और विकासात्मक विषय, शहरीकरण, उनकी समस्याएं और उनके रक्षोपाय । 	<ul style="list-style-type: none"> महिलाओं की भूमिका और महिला संगठन, जनसंख्या एवं सम्बद्ध मुद्दे, गरीबी और विकासात्मक विषय, शहरीकरण, उनकी समस्याएं और उनके रक्षोपाय ।
<ul style="list-style-type: none"> भारतीय समाज पर भूमंडलीकरण का प्रभाव । 	<ul style="list-style-type: none"> भारतीय समाज पर भूमंडलीकरण का प्रभाव ।
<ul style="list-style-type: none"> सामाजिक सशक्तीकरण, सम्प्रदायवाद, क्षेत्रवाद और धर्म-निरपेक्षता । 	<ul style="list-style-type: none"> सामाजिक सशक्तीकरण, सम्प्रदायवाद, क्षेत्रवाद और धर्म-निरपेक्षता ।
<ul style="list-style-type: none"> विश्व के भौतिक-भूगोल की मुख्य विशेषताएं। 	<ul style="list-style-type: none"> विश्व के भौतिक-भूगोल की मुख्य विशेषताएं।
<ul style="list-style-type: none"> विश्वभर के मुख्य प्राकृतिक संसाधनों का वितरण (दक्षिण एशिया और भारतीय उपमहाद्वीप को शामिल करते हुए), विश्व (भारत सहित) के विभिन्न भागों में प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्र के उद्योगों को स्थापित करने के लिए जिम्मेदार कारक । 	<ul style="list-style-type: none"> विश्वभर के मुख्य प्राकृतिक संसाधनों का वितरण (दक्षिण एशिया और भारतीय उपमहाद्वीप को शामिल करते हुए), विश्व (भारत सहित) के विभिन्न भागों में प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्र के उद्योगों को स्थापित करने के लिए जिम्मेदार कारक ।
<ul style="list-style-type: none"> भूकंप, सुनामी, ज्वालामुखीय हलचल, चक्रवात आदि जैसी महत्वपूर्ण 	<ul style="list-style-type: none"> भूकंप, सुनामी, ज्वालामुखीय हलचल, चक्रवात आदि जैसी महत्वपूर्ण

<ul style="list-style-type: none"> भूकंप, सुनामी, ज्वालामुखीय हलचल, चक्रवात आदि जैसी महत्वपूर्ण भू-भौतिकीय घटनाएं, भूगोलीय विशेषताएं और उनके स्थान-अति महत्वपूर्ण भूगोलीय विशेषताओं (जल-स्रोत और हिमावरण सहित) और वनस्पति एवं प्राणि-जगत में परिवर्तन और इस प्रकार के परिवर्तनों के प्रभाव। 	भौतिकीय घटनाएं, भूगोलीय विशेषताएं और उनके स्थान-अति महत्वपूर्ण भूगोलीय विशेषताओं (जल-स्रोत और हिमावरण सहित) और वनस्पति एवं प्राणि-जगत में परिवर्तन और इस प्रकार के परिवर्तनों के प्रभाव।
<p>प्रश्न-पत्र-III</p> <p>सामान्य अध्ययन-II : शासन व्यवस्था, संविधान, शासन-प्रणाली, सामाजिक न्याय तथा अंतर्राष्ट्रीय संबंध।</p> <ul style="list-style-type: none"> भारतीय संविधान-ऐतिहासिक आधार, विकास, विशेषताएं, संशोधन, महत्वपूर्ण प्रावधान और बुनियादी संरचना। संघ एवं राज्यों के कार्य तथा उत्तरदायित्व, संघीय ढांचे से संबंधित विषय एवं चुनौतियां, स्थानीय स्तर पर शक्तियों और वित्त का हस्तांतरण और उसकी चुनौतियां। विभिन्न घटकों के बीच शक्तियों का पृथक्करण, विवाद निवारण तंत्र तथा संस्थान। भारतीय संवैधानिक योजना की अन्य देशों के साथ तुलना। संसद और राज्य विधायिका - संरचना, कार्य, कार्य-संचालन, शक्तियां एवं विशेषाधिकार और इनसे उत्पन्न होने वाले विषय। कार्यपालिका और न्यायपालिका की संरचना, संगठन और कार्य - सरकार के मंत्रालय एवं विभाग, प्रभावक समूह और औपचारिक/अनौपचारिक संघ तथा शासन प्रणाली में उनकी भूमिका। शासन प्रणाली में उनकी भूमिका। 	<p>प्रश्न-पत्र-III</p> <p>सामान्य अध्ययन-II : शासन व्यवस्था, संविधान, शासन-प्रणाली, सामाजिक न्याय तथा अंतर्राष्ट्रीय संबंध।</p> <ul style="list-style-type: none"> भारतीय संविधान-ऐतिहासिक आधार, विकास, विशेषताएं, संशोधन, महत्वपूर्ण प्रावधान और बुनियादी संरचना। संघ एवं राज्यों के कार्य तथा उत्तरदायित्व, संघीय ढांचे से संबंधित विषय एवं चुनौतियां, स्थानीय स्तर पर शक्तियों और वित्त का हस्तांतरण और उसकी चुनौतियां। विभिन्न घटकों के बीच शक्तियों का पृथक्करण, विवाद निवारण तंत्र तथा संस्थान। भारतीय संवैधानिक योजना की अन्य देशों के साथ तुलना। संसद और राज्य विधायिका - संरचना, कार्य, कार्य-संचालन, शक्तियां एवं विशेषाधिकार और इनसे उत्पन्न होने वाले विषय। कार्यपालिका और न्यायपालिका की संरचना, संगठन और कार्य - सरकार के मंत्रालय एवं विभाग, प्रभावक समूह और औपचारिक/अनौपचारिक संघ तथा शासन प्रणाली में उनकी भूमिका। जन प्रतिनिधित्व अधिनियम की मुख्य

<ul style="list-style-type: none"> • जन प्रतिनिधित्व अधिनियम की मुख्य विशेषताएं । • विभिन्न संवैधानिक पदों पर नियुक्ति और विभिन्न संवैधानिक निकायों की शक्तियां, कार्य और उत्तरदायित्व । • सांविधिक, विनियामक और विभिन्न अर्ध-न्यायिक निकाय । • सरकारी नीतियों और विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिए हस्तक्षेप और उनके अभिकल्पन तथा कार्यान्वयन के कारण उत्पन्न विषय । • विकास प्रक्रिया तथा विकास उद्योग - गैर सरकारी संगठनों, स्वयं सहायता समूहों, विभिन्न समूहों और संघों, दानकर्ताओं, लोकोपकारी संस्थाओं, संस्थागत एवं अन्य पक्षों की भूमिका । • केन्द्र एवं राज्यों द्वारा जनसंख्या के अति संवेदनशील वर्गों के लिए कल्याणकारी योजनाएं और इन योजनाओं का कार्य-निष्पादन, इन अति संवेदनशील वर्गों की रक्षा एवं बेहतरी के लिए गठित तंत्र, विधि, संस्थान एवं निकाय । • स्वास्थ्य, शिक्षा, मानव संसाधनों से संबंधित सामाजिक क्षेत्र/सेवाओं के विकास और प्रबंधन से संबंधित विषय । • गरीबी और भूख से संबंधित विषय । • शासन व्यवस्था, पारदर्शिता और जवाबदेही के महत्वपूर्ण पक्ष, ई-गवर्नेंस - अनुप्रयोग, मॉडल, सफलताएं, सीमाएं और सभावनाएं; नागरिक चार्टर, पारदर्शिता एवं जवाबदेही और संस्थागत तथा अन्य उपाय । • लोकतंत्र में सिविल सेवाओं की भूमिका । 	<ul style="list-style-type: none"> विशेषताएं । • विभिन्न संवैधानिक पदों पर नियुक्ति और विभिन्न संवैधानिक निकायों की शक्तियां, कार्य और उत्तरदायित्व । • सांविधिक, विनियामक और विभिन्न अर्ध-न्यायिक निकाय । • सरकारी नीतियों और विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिए हस्तक्षेप और उनके अभिकल्पन तथा कार्यान्वयन के कारण उत्पन्न विषय । • विकास प्रक्रिया तथा विकास उद्योग - गैर सरकारी संगठनों, स्वयं सहायता समूहों, विभिन्न समूहों और संघों, दानकर्ताओं, लोकोपकारी संस्थाओं, संस्थागत एवं अन्य पक्षों की भूमिका । • केन्द्र एवं राज्यों द्वारा जनसंख्या के अति संवेदनशील वर्गों के लिए कल्याणकारी योजनाएं और इन योजनाओं का कार्य-निष्पादन, इन अति संवेदनशील वर्गों की रक्षा एवं बेहतरी के लिए गठित तंत्र, विधि, संस्थान एवं निकाय । • स्वास्थ्य, शिक्षा, मानव संसाधनों से संबंधित सामाजिक क्षेत्र/सेवाओं के विकास और प्रबंधन से संबंधित विषय । • गरीबी और भूख से संबंधित विषय । • शासन व्यवस्था, पारदर्शिता और जवाबदेही के महत्वपूर्ण पक्ष, ई-गवर्नेंस - अनुप्रयोग, मॉडल, सफलताएं, सीमाएं और सभावनाएं; नागरिक चार्टर, पारदर्शिता एवं जवाबदेही और संस्थागत तथा अन्य उपाय । • लोकतंत्र में सिविल सेवाओं की भूमिका । • भारत एवं इसके पड़ोसी-संबंध । • द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैशिक समूह और भारत से संबंधित और/अथवा भारत के हितों को प्रभावित करने वाले करार । • भारत के हितों, भारतीय परिवृश्य पर
--	---

<ul style="list-style-type: none"> भारत एवं इसके पड़ोसी-संबंध । द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक समूह और भारत से संबंधित और/अथवा भारत के हितों को प्रभावित करने वाले करार । भारत के हितों, भारतीय परिवृश्य पर विकसित तथा विकासशील देशों की नीतियों तथा राजनीति का प्रभाव । महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय संस्थान, संस्थाएं और मंच- उनकी संरचना, अधिदेश। 	<ul style="list-style-type: none"> विकसित तथा विकासशील देशों की नीतियों तथा राजनीति का प्रभाव । महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय संस्थान, संस्थाएं और मंच- उनकी संरचना, अधिदेश।
<p><u>प्रश्न पत्र-IV</u></p> <p><u>सामान्य अध्ययन-III</u> : प्रौद्योगिकी, आर्थिक विकास, जैव विविधता, पर्यावरण, सुरक्षा तथा आपदा प्रबंधन ।</p> <ul style="list-style-type: none"> भारतीय अर्थव्यवस्था तथा योजना, संसाधनों को जुटाने, प्रगति, विकास तथा रोजगार से संबंधित विषय । समावेशी विकास तथा इससे उत्पन्न विषय । सरकारी बजट । मुख्य फसलें - देश के विभिन्न भागों में फसलों का पैटर्न- सिंचाई के विभिन्न प्रकार एवं सिंचाई प्रणाली-कृषि उत्पाद का भंडारण, परिवहन तथा विपणन, संबंधित विषय और बाधाएं; किसानों की सहायता के लिए ई-प्रौद्योगिकी । प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कृषि सहायता तथा न्यूनतम समर्थन मूल्य से संबंधित विषय; जन वितरण प्रणाली-उद्देश्य, कार्य, सीमाएं, सुधार ; बफर स्टॉक तथा खाद्य सुरक्षा संबंधी विषय; प्रौद्योगिकी मिशन ; पशु- 	<p><u>प्रश्न पत्र -IV</u></p> <p><u>सामान्य अध्ययन-III</u> : प्रौद्योगिकी, आर्थिक विकास, जैव विविधता, पर्यावरण, सुरक्षा तथा आपदा प्रबंधन ।</p> <ul style="list-style-type: none"> भारतीय अर्थव्यवस्था तथा योजना, संसाधनों को जुटाने, प्रगति, विकास तथा रोजगार से संबंधित विषय । समावेशी विकास तथा इससे उत्पन्न विषय। सरकारी बजट । मुख्य फसलें - देश के विभिन्न भागों में फसलों का पैटर्न- सिंचाई के विभिन्न प्रकार एवं सिंचाई प्रणाली-कृषि उत्पाद का भंडारण, परिवहन तथा विपणन, संबंधित विषय और बाधाएं; किसानों की सहायता के लिए ई-प्रौद्योगिकी । प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कृषि सहायता तथा न्यूनतम समर्थन मूल्य से संबंधित विषय; जन वितरण प्रणाली-उद्देश्य, कार्य, सीमाएं, सुधार ; बफर स्टॉक तथा खाद्य सुरक्षा संबंधी विषय; प्रौद्योगिकी मिशन ; पशु-

उद्देश्य, कार्य, सीमाएं, सुधार ; बफर स्टोक तथा खाय सुरक्षा संबंधी विषय; प्रौद्योगिकी मिशन ; पशु-पालन संबंधी अर्थशास्त्र ।

- भारत में खाय प्रसंस्करण एवं संबंधित उद्योग - कार्यक्षेत्र एवं महत्व, स्थान, ऊपरी और नीचे की अपेक्षाएं, आपूर्ति शृंखला प्रबंधन ।
- भारत में भूमि सुधार ।
- उदारीकरण का अर्थव्यवस्था पर प्रभाव, औद्योगिक नीति में परिवर्तन (तथा औद्योगिक विकास पर इनका प्रभाव ।
- बुनियादी ढांचा : ऊर्जा, बंदरगाह, सड़क, विमानपत्तन, रेलवे आदि ।
- निवेश मॉडल ।
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी - विकास एवं अनुप्रयोग और रोजमर्रा के जीवन पर इसका प्रभाव ।
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में भारतीयों की उपलब्धियां; देशज रूप से प्रौद्योगिकी का विकास और नई प्रौद्योगिकी का विकास ।
- सूचना प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष, कम्प्यूटर, रोबोटिक्स, नैनो-टैक्नोलॉजी, बायो-टैक्नोलॉजी और बौद्धिक सम्पदा अधिकारों से संबंधित विषयों के संबंध में जागरूकता ।
- संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण और क्षरण, पर्यावरण प्रभाव का आकलन ।
- आपदा और आपदा प्रबंधन ।
- विकास और फैलते उग्रवाद के बीच संबंध ।
- आंतरिक सुरक्षा के लिए चुनौती उत्पन्न करने वाले शासन विरोधी तत्वों की भूमिका ।
- संचार नेटवर्क के माध्यम से आंतरिक सुरक्षा को चुनौती, आंतरिक सुरक्षा चुनौतियों में मीडिया और सामाजिक नेटवर्किंग साइटों संबंध ।

पालन संबंधी अर्थशास्त्र ।

- भारत में खाय प्रसंस्करण एवं संबंधित उद्योग - कार्यक्षेत्र एवं महत्व, स्थान, ऊपरी और नीचे की अपेक्षाएं, आपूर्ति शृंखला प्रबंधन ।
- भारत में भूमि सुधार ।
- उदारीकरण का अर्थव्यवस्था पर प्रभाव, औद्योगिक नीति में परिवर्तन तथा औद्योगिक विकास पर इनका प्रभाव ।
- बुनियादी ढांचा : ऊर्जा, बंदरगाह, सड़क, विमानपत्तन, रेलवे आदि ।
- निवेश मॉडल ।
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी - विकास एवं अनुप्रयोग और रोजमर्रा के जीवन पर इसका प्रभाव ।
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में भारतीयों की उपलब्धियां; देशज रूप से प्रौद्योगिकी का विकास और नई प्रौद्योगिकी का विकास ।
- सूचना प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष, कम्प्यूटर, रोबोटिक्स, नैनो-टैक्नोलॉजी, बायो-टैक्नोलॉजी और बौद्धिक सम्पदा अधिकारों से संबंधित विषयों के संबंध में जागरूकता ।
- संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण और क्षरण, पर्यावरण प्रभाव का आकलन ।
- आपदा और आपदा प्रबंधन ।
- विकास और फैलते उग्रवाद के बीच संबंध ।
- आंतरिक सुरक्षा के लिए चुनौती उत्पन्न करने वाले शासन विरोधी तत्वों की भूमिका ।
- संचार नेटवर्क के माध्यम से आंतरिक सुरक्षा को चुनौती, आंतरिक सुरक्षा चुनौतियों में मीडिया और सामाजिक नेटवर्किंग साइटों

<ul style="list-style-type: none"> • आंतरिक सुरक्षा के लिए चुनौती उत्पन्न करने वाले शासन विरोधी तत्त्वों की भूमिका । • संचार नेटवर्क के माध्यम से आंतरिक सुरक्षा को चुनौती, आंतरिक सुरक्षा चुनौतियों में मीडिया और सामाजिक नेटवर्किंग साइटों की भूमिका, साइबर सुरक्षा की बुनियादी बातें, धन-शोधन और इसे रोकना । • सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा चुनौतियां एवं उनका प्रबंधन - संगठित अपराध और आतंकवाद के बीच संबंध । • विभिन्न सुरक्षा बल और संस्थाएं तथा उनके अधिदेश । 	<ul style="list-style-type: none"> की भूमिका, साइबर सुरक्षा की बुनियादी बातें, धन-शोधन और इसे रोकना । • सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा चुनौतियां एवं उनका प्रबंधन - संगठित अपराध और आतंकवाद के बीच संबंध । • विभिन्न सुरक्षा बल और संस्थाएं तथा उनके अधिदेश ।
<p>प्रश्न-पत्र -V</p> <p>सामान्य अध्ययन- IV : नीतिशास्त्र, सत्यनिष्ठा और अभिरुचि ।</p> <p>इस प्रश्न-पत्र में ऐसे प्रश्न शामिल होंगे जो सार्वजनिक जीवन में उम्मीदवारों की सत्यनिष्ठा, ईमानदारी से संबंधित विषयों के प्रति उनकी अभिवृत्ति तथा उनके दृष्टिकोण तथा समाज से आचार-व्यवहार में विभिन्न मुद्दों तथा सामने आने वाली समस्याओं के समाधान को लेकर उनकी मनोवृत्ति का परीक्षण करेंगे । इन आयामों का निर्धारण करने के लिए प्रश्न-पत्रों में किसी मामले के अध्ययन (केस स्टडी) का माध्यम भी चुना जा सकता है । मुख्य रूप से निम्नलिखित क्षेत्रों को कवर किया जाएगा ।</p>	<p>प्रश्न-पत्र -V</p> <p>सामान्य अध्ययन- IV : नीतिशास्त्र, सत्यनिष्ठा और अभिरुचि ।</p> <p>इस प्रश्न-पत्र में ऐसे प्रश्न शामिल होंगे जो सार्वजनिक जीवन में उम्मीदवारों की सत्यनिष्ठा, ईमानदारी से संबंधित विषयों के प्रति उनकी अभिवृत्ति तथा उनके दृष्टिकोण तथा समाज से आचार-व्यवहार में विभिन्न मुद्दों तथा सामने आने वाली समस्याओं के समाधान को लेकर उनकी मनोवृत्ति का परीक्षण करेंगे । इन आयामों का निर्धारण करने के लिए प्रश्न-पत्रों में किसी मामले के अध्ययन (केस स्टडी) का माध्यम भी चुना जा सकता है । मुख्य रूप से निम्नलिखित क्षेत्रों को कवर किया जाएगा ।</p>

क्षेत्रों को कवर किया जाएगा ।

- नीतिशास्त्र तथा मानवीय सह-संबंध: मानवीय क्रियाकलापों में नीतिशास्त्र का सार तत्व, इसके निर्धारक और परिणाम; नीतिशास्त्र के आयाम; निजी और सार्वजनिक संबंधों में नीतिशास्त्र । मानवीय मूल्य - महान नेताओं, सुधारकों और प्रशासकों के जीवन तथा उनके उपदेशों से शिक्षा; मूल्य विकसित करने में परिवार, समाज और शैक्षणिक संस्थाओं की भूमिका ।
- अभिवृत्ति: सारांश (कंटेन्ट), संरचना, वृत्ति; विचार तथा आचरण के परिप्रेक्ष्य में इसका प्रभाव एवं संबंध; नैतिक और राजनीतिक अभिरुचि; सामाजिक प्रभाव और धारणा ।
- सिविल सेवा के लिए अभिरुचि तथा बुनियादी मूल्य, सत्यनिष्ठा, भेदभाव रहित तथा गैर-तरफदारी, निष्पक्षता, सार्वजनिक सेवा के प्रति समर्पण भाव, कमज़ोर वर्गों के प्रति सहानुभूति, सहिष्णुता तथा संवेदना ।
- भावनात्मक समझ: अवधारणाएं तथा प्रशासन और शासन व्यवस्था में उनके उपयोग और प्रयोग ।
- भारत तथा विश्व के नैतिक विचारकों तथा दार्शनिकों के योगदान ।
- लोक प्रशासनों में लोक/सिविल सेवा मूल्य तथा नीतिशास्त्र: स्थिति तथा समस्याएं; सरकारी तथा निजी संस्थानों में नैतिक चिंताएं तथा दुविधाएं; नैतिक मार्गदर्शन के स्रोतों के रूप में विधि, नियम, विनियम तथा अंतर्रात्मा; शासन व्यवस्था में नीतिपरक तथा नैतिक मूल्यों का

- नीतिशास्त्र तथा मानवीय सह-संबंध: मानवीय क्रियाकलापों में नीतिशास्त्र का सार तत्व, इसके निर्धारक और परिणाम; नीतिशास्त्र के आयाम; निजी और सार्वजनिक संबंधों में नीतिशास्त्र । मानवीय मूल्य - महान नेताओं, सुधारकों और प्रशासकों के जीवन तथा उनके उपदेशों से शिक्षा; मूल्य विकसित करने में परिवार, समाज और शैक्षणिक संस्थाओं की भूमिका ।
- अभिवृत्ति: सारांश (कंटेन्ट), संरचना, वृत्ति; विचार तथा आचरण के परिप्रेक्ष्य में इसका प्रभाव एवं संबंध; नैतिक और राजनीतिक अभिरुचि; सामाजिक प्रभाव और धारणा ।
- सिविल सेवा के लिए अभिरुचि तथा बुनियादी मूल्य, सत्यनिष्ठा, भेदभाव रहित तथा गैर-तरफदारी, निष्पक्षता, सार्वजनिक सेवा के प्रति समर्पण भाव, कमज़ोर वर्गों के प्रति सहानुभूति, सहिष्णुता तथा संवेदना ।
- भावनात्मक समझ: अवधारणाएं तथा प्रशासन और शासन व्यवस्था में उनके उपयोग और प्रयोग ।
- भारत तथा विश्व के नैतिक विचारकों तथा दार्शनिकों के योगदान ।
- लोक प्रशासनों में लोक/सिविल सेवा मूल्य तथा नीतिशास्त्र: स्थिति तथा समस्याएं; सरकारी तथा निजी संस्थानों में नैतिक चिंताएं तथा दुविधाएं; नैतिक मार्गदर्शन के स्रोतों के रूप में विधि, नियम, विनियम तथा अंतर्रात्मा; शासन व्यवस्था में नीतिपरक तथा नैतिक मूल्यों का

<p>संस्थानों में नैतिक चिंताएं तथा दुविधाएं; नैतिक मार्गदर्शन के ग्रोतों के रूप में निधि, नियम, विनियम तथा अंतर्रात्मा; शासन व्यवस्था में नीतिपरक तथा नैतिक मूल्यों का सुदृढ़ीकरण; अंतर्राष्ट्रीय संबंधों तथा निधि व्यवस्था (फंडिंग) में नैतिक मुद्दे; कारपोरेट शासन व्यवस्था ।</p> <ul style="list-style-type: none"> शासन व्यवस्था में ईमानदारी : लोक सेवा की अवधारणा ; शासन व्यवस्था और ईमानदारी का दार्शनिक आधार, सरकार में सूचना का आदान-प्रदान और पारदर्शिता, सूचना का अधिकार, नीतिपरक आचार संहिता, आचरण संहिता, नागरिक घोषणा पत्र, कार्य संस्कृति, सेवा प्रदान करने की गुणवत्ता, लोक निधि का उपयोग, अष्टाचार की चुनौतियां । उपर्युक्त विषयों पर मामला संबंधी अध्ययन (केस स्टडी) 	<p>सुदृढ़ीकरण; अंतर्राष्ट्रीय संबंधों तथा निधि व्यवस्था (फंडिंग) में नैतिक मुद्दे; कारपोरेट शासन व्यवस्था ।</p> <ul style="list-style-type: none"> शासन व्यवस्था में ईमानदारी : लोक सेवा की अवधारणा ; शासन व्यवस्था और ईमानदारी का दार्शनिक आधार, सरकार में सूचना का आदान-प्रदान और पारदर्शिता, सूचना का अधिकार, नीतिपरक आचार संहिता, आचरण संहिता, नागरिक घोषणा पत्र, कार्य संस्कृति, सेवा प्रदान करने की गुणवत्ता, लोक निधि का उपयोग, अष्टाचार की चुनौतियां । उपर्युक्त विषयों पर मामला संबंधी अध्ययन (केस स्टडी)
<p>प्रश्न-पत्र-VI तथा प्रश्न-पत्र-VII वैकल्पिक विषय I एवं II</p> <p>{उम्मीदवार पैरा 2 (<u>सम्ह-1</u>) में दिए गए विषयों की सूची में से कोई भी वैकल्पिक विषय चुन सकते हैं। तथापि, यदि किसी उम्मीदवार ने पैरा 2 के नीचे दिए गए <u>सम्ह-2</u> में उल्लिखित भाषाओं में से किसी भाषा के साहित्य में साहित्य को मुख्य विषय रखते हुए स्नातक किया है तो वह उम्मीदवार</p>	<p>प्रश्न-पत्र-VI तथा प्रश्न-पत्र-VII वैकल्पिक विषय प्रश्न पत्र I एवं II</p> <p>उम्मीदवार पैरा 2 में दी गई वैकल्पिक विषयों की सूची में से किसी भी वैकल्पिक विषय का चयन कर सकते हैं।</p>

हुए स्नातक किया है तो वह उम्मीदवार उस साहित्य विषय को भी वैकल्पिक विषय के रूप में चुन सकता है।

उपरोक्त संशोधनों को छोड़कर आयोग द्वारा दिनांक 05.03.2013 को अपनी वेबसाइट पर जारी किए गए नोटिस की शेष विषय-वस्तु में कोई परिवर्तन नहीं है।

नरेन्द्र गौतम, अवर सचिव

MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS

(Department of Personnel and Training)

CORRIGENDUM

New Delhi, the 25th March, 2013

Gazette Notification No., Part I-Section-1 dated 5th of March, 2013 published by the Ministry of Personnel, Public Grievances and Pensions, notifying the Rules of Civil Services Examination, 2013.

F. No. 13018/01/2013-AIS(I).—In the Ministry of Personnel, Public Grievances and Pensions, Department of Personnel and Training's Gazette Notification No., Part I- Section-1 dated 5th of March, 2013, notifying the Rules of Civil Services Examination, 2013. The following amendments shall be made under Appendix-I in Section-I, Section II and Section-III, as detailed below:-

For	Read
<p style="text-align: center;">APPENDIX-I · Section-I PLAN OF EXAMINATION</p> <p><i>The competitive examination comprises two successive stages:</i></p> <p><i>(i) Civil Services (Preliminary) Examinations (Objective Type) for the selection of candidates for Main Examination; and</i></p> <p><i>(ii) Civil Services (Main) Examination (Written and Interview) for the selection of candidates for the various services and posts.</i></p> <p><i>2. The Preliminary Examination will consist of two papers of Objective type (multiple choice questions) and carry a maximum of 400 marks in the subjects set out in sub-section (A) of Section-II. This examination is meant to serve as a screening test only; the marks obtained in the Preliminary Examination by the candidates who are declared qualified for admission to the Main Examination will not be counted for determining their final order of merit. The number of</i></p>	<p style="text-align: center;">APPENDIX-I Section-I PLAN OF EXAMINATION</p> <p><i>The competitive examination comprises two successive stages:</i></p> <p><i>(i) Civil Services (Preliminary) Examinations (Objective Type) for the selection of candidates for Main Examination; and</i></p> <p><i>(ii) Civil Services (Main) Examination (Written and Interview) for the selection of candidates for the various services and posts.</i></p> <p><i>2. The preliminary Examination will consist of two papers of Objective type (multiple choice questions) and carry a maximum of 400 marks in the subjects set out in sub-section (A) of Section II. This examination is meant to serve as a screening test only; the marks obtained in the Preliminary Examination by the candidates who are declared qualified for admission to the Main Examination will not be counted for determining their final order of merit. The number of</i></p>

<p><i>candidates to be admitted to the Main Examination will be about twelve to thirteen times the total approximate number of vacancies to be filled in the year in the various Services and Posts. Only those candidates who are declared by the Commission to have qualified in the Preliminary Examination in the year will be eligible for admission to the Main Examination of that year provided they are otherwise eligible for admission to the Main Examination.</i></p>	<p><i>Candidates to be admitted to the Main Examination will be about twelve to thirteen times the total approximate number of vacancies to be filled in the year through this examination. Only those candidates who are declared by the Commission to have qualified in the Preliminary Examination in the year will be eligible for admission to the Main Examination of that year provided they are otherwise eligible for admission, to the Main Examination.</i></p>
<p>Note I: The Commission will draw a list of candidates to be qualified for Civil Service (Main) Examination based on the total qualifying marks as may be determined by the Commission, of the two papers put together.</p>	<p>Note I: The Commission will draw a list of candidates to be qualified for Civil Service (Main) Examination based on the total qualifying marks as may be determined by the Commission, of the two papers put together.</p>
<p>Note II: There will be negative marking for incorrect answers (as detailed below) for all questions except some of the questions where the negative marking will be inbuilt in the form of different marks being awarded to the most appropriate and not so appropriate answer for such questions.</p>	<p>Note II: There will be negative marking for incorrect answers (as detailed below) for all questions except some of the questions where the negative marking will be inbuilt in the form of different marks being awarded to the most appropriate and not so appropriate answer for such questions.</p>
<p>(i) There are four alternatives for the answers to every question. For each question for which a wrong answer has been given by the candidate, one-third (0.33) of the marks assigned to that question will be deducted as penalty.</p>	<p>(i) There are four alternatives for the answers to every question. For each question for which a wrong answer has been given by the candidate, one-third (0.33) of the marks assigned to that question will be deducted as penalty.</p>
<p>(ii) If a candidate gives more than one answer, it will be treated as a wrong answer even if one of the given answers happen to be correct and there will be same penalty as above for that question.</p>	<p>(ii) If a candidate gives more than one answer, it will be treated as a wrong answer even if one of the given answers happen to be correct and there will be same penalty as above for that question.</p>
<p>(iii) If a question is left blank, i.e. no answer is given by the candidate; there will be no penalty for that question.</p>	<p>(iii) If a question is left blank, i.e. no answer is given by the candidate; there will be no penalty for that question.</p>
<p>3. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written part of the Main Examination as may be fixed by the Commission at their discretion, shall be summoned by them for interview for a Personality Test vide sub-section 'C' of Section-II. Marks obtained in the papers will be counted for ranking. The number of candidates to be summoned for interview will be about twice the number of vacancies to be filled.</p>	<p>3. The Main Examination will consist of written examination and an interview test. The written examination will consist of 9 papers of conventional essay type in the subjects set out in sub-section (B) of Section II out of which two papers will be of qualifying in nature. Also see Note (ii) under Para I of Section II (B). Marks obtained for all the compulsory papers (Paper-I to Paper-VII) and Marks obtained in Interview for Personality Test will be counted for ranking.</p>

<p><i>Marks thus obtained by the candidates in the Main Examination (written part as well as interview) would determine their final ranking. Candidates will be allotted to the various Services keeping in view their ranks in the examination and the preferences expressed by them for the various Services and Posts.</i></p>	<p>4. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written part of the Main Examination as may be fixed by the Commission at their discretion, shall be summoned by them for an interview for a Personality Test, vide sub-section 'C' of Section II. The number of candidates to be summoned for interview will be about twice of the number of vacancies to be filled. The interview will carry 275 marks (with no minimum qualifying marks).</p>
<p>Section-II</p> <p><u>Scheme and subjects for the Preliminary and Main Examinations.</u></p>	<p>Section-II</p> <p><u>Scheme and subjects for the Preliminary and Main Examination.</u></p>
<p>A. Preliminary Examination</p> <p><i>The Examination shall comprise two compulsory papers of 200 marks each.</i></p>	<p>A. PRELIMINARY EXAMINATION :</p> <p><i>The Examination shall comprise of two compulsory Papers of 200 marks each.</i></p>
<p>Note:</p>	<p>Note :</p>
<p>(i) <i>Both the question papers will be of the objective type (multiple choice questions).</i></p>	<p>(i) <i>Both the question papers will be of the objective type (multiple choice questions).</i></p>
<p>(ii) <i>The question papers will be set both in Hindi and English. However, questions relating to English Language Comprehension skills of Class X level will be tested through passages from English Language only without providing Hindi translation thereof in the question paper.</i></p>	<p>(ii) <i>The question papers will be set both in Hindi and English. However, questions relating to English Language Comprehension skills of Class X level will be tested through passages from English language only without providing Hindi translation thereof in the question paper.</i></p>
<p>(iii) <i>Details of the syllabi are indicated in Part A of Section III.</i></p>	<p>(iii) <i>Details of the syllabi are indicated in Part A of Section III.</i></p>
<p>(iv) <i>Each paper will be of two hours duration. Blind candidates will however, be allowed an extra time of twenty minutes at each paper.</i></p>	<p>(iv) <i>Each paper will be of two hours duration. Blind candidates will; however, be allowed an extra time of twenty minutes for each paper.</i></p>
<p>B. Main Examination</p>	<p>B. Main Examination</p>
<p><u>The written examination will consist of the following papers:</u></p>	<p><u>The written examination will consist of the following papers:</u></p>

Paper-I		Qualifying Papers:
Section 1	Essay	200 Marks
Section 2	English Comprehension & English Précis- (of Matriculation/ Xth standard level)	100 Marks
Paper-II		Paper- A
General Studies-I		250 Marks
<i>(Indian Heritage and Culture, History and Geography of the World and Society)</i>		(One of the Indian Language to be selected by the candidate from the Languages included in the Eighth Schedule to the Constitution). 300 Marks
Paper-III		Paper- B
General Studies-II		English 300 Marks
<i>(Governance, Constitution, Polity, Social Justice and International relations)</i>		Papers to be counted for merit
Paper-IV		Paper-I
General Studies -III		Essay 250 Marks
<i>(Technology, Economic Development, Bio-diversity, Environment, Security and Disaster Management)</i>		Paper-II
Paper-V		General Studies-I 250Marks
General Studies -IV		(Indian Heritage and Culture, History and Geography of the World and Society)
<i>(Ethics, Integrity and Aptitude)</i>		Paper-III
Paper-VI		General Studies -II 250 Marks
Optional Subject – Paper		(Governance, Constitution, Polity, Social Justice and International relations)
Paper-VII		Paper-IV
Optional Subject – Paper 2		General Studies -III 250 Marks
Sub Total (Written test)		(Technology, Economic Development, Bio-diversity, Environment, Security and Disaster Management)
Personality Test		Paper-V
Grand Total		General Studies -IV 250 Marks
<i>(Candidates may choose any optional subject from</i>		(Ethics, Integrity and Aptitude)
<i>— 65 (2) / 13 -10</i>		Paper-VI
		Optional Subject – Paper 1 250 Marks
		Paper-VII
		Optional Subject – Paper 2 250 Marks
		Sub Total (Written test) 1750 Marks
		Personality Test 275 Marks

amongst the list of subjects given in para 2 below (Group 1). However, a candidate can opt for the literatures of a language, indicated in Group-2 below para 2, as an optional subject, only if the candidate has graduated in the literature of that particular language as the main subject).

NOTE:

(i) Marks obtained by the candidates for all papers (Paper I-VII) will be counted for merit ranking. However, the Commission will have the discretion to fix qualifying marks in any or all papers of the examination.

(ii) For the Language medium/literature of languages, the scripts to be used by the candidates will be as under:—

<u>Language</u>	<u>Script</u>
Assamese	Assamese
Bengali	Bengali
Gujarati	Gujarati
Hindi	Devanagari
Kannada	Kannada
Kashmiri	Persian
Konkani	Devanagari
Malayalam	Malayalam

Grand Total

2025 Marks

Candidates may choose any one of the optional subjects from amongst the list of subjects given in para 2 below :—

NOTE:

(i) The papers on Indian Languages and English (Paper A and Paper B) will be of Matriculation or equivalent standard and will be of qualifying nature. The marks obtained in these papers will not be counted for ranking.

(ii) Evaluation of the papers, namely, 'Essay', 'General Studies' and Optional Subject of all the candidates would be done simultaneously along with evaluation of their qualifying papers on 'Indian Languages' and 'English' but the papers on 'Essay', General Studies and Optional Subject of only such candidates will be taken cognizance of who attain such minimum standard as may be fixed by Commission at their discretion for the qualifying papers on 'Indian Language' and 'English'.

(iii) The paper A on Indian Language will not, however, be compulsory for candidates hailing from the States of Arunachal Pradesh, Manipur, Meghalaya, Mizoram, Nagaland and Sikkim.

(iv) Marks obtained by the candidates for the Paper I-VII only will be counted for merit ranking. However, the Commission will have the discretion to fix qualifying marks in any or all of these papers.

(v) For the Language medium/ literature of languages, the scripts to be used by the candidates will be as under:—

<u>Language</u>	<u>Script</u>
Assamese	Assamese
Bengali	Bengali
Gujarati	Gujarati
Hindi	Devanagari
Kannada	Kannada
Kashmiri	Persian
Konkani	Devanagari
Malayalam	Malayalam

<i>Manipuri</i>	<i>Bengali</i>	<i>Manipuri</i>	<i>Bengali</i>
<i>Marathi</i>	<i>Devanagari</i>	<i>Marathi</i>	<i>Devanagari</i>
<i>Nepali</i>	<i>Devanagari</i>	<i>Nepali</i>	<i>Devanagari</i>
<i>Oriya</i>	<i>Oriya</i>	<i>Oriya</i>	<i>Oriya</i>
<i>Punjabi</i>	<i>Gurumukhi</i>	<i>Punjabi</i>	<i>Gurumukhi</i>
<i>Sanskrit</i>	<i>Devanagari</i>	<i>Sanskrit</i>	<i>Devanagari</i>
<i>Sindhi</i>	<i>Devanagari or Arabic</i>	<i>Sindhi</i>	<i>Devanagari or Arabic</i>
<i>Tamil</i>	<i>Tamil</i>	<i>Tamil</i>	<i>Tamil</i>
<i>Telugu</i>	<i>Telugu</i>	<i>Telugu</i>	<i>Telugu</i>
<i>Urdu</i>	<i>Persian</i>	<i>Urdu</i>	<i>Persian</i>
<i>Bodo</i>	<i>Devanagari</i>	<i>Bodo</i>	<i>Devanagari</i>
<i>Dogri</i>	<i>Devanagari</i>	<i>Dogri</i>	<i>Devanagari</i>
<i>Maithilli</i>	<i>Devanagari</i>	<i>Maithilli</i>	<i>Devanagari</i>
<i>Santhali</i>	<i>Devanagari or Olchiki</i>	<i>Santhali</i>	<i>Devanagari or Olchiki</i>
<i>Note : For Santhali language, question paper will be printed in Devanagari script; but candidates will be free to answer either in Devanagari script or in Olchiki.</i>		<i>Note: For Santhali language, question paper will be printed in Devanagari script; but candidates will be free to answer either in Devanagari script or in Olchiki.</i>	
2. List of optional subjects for Main Examination:		2. List of optional subjects for Main Examination:	
<u>Group-1</u>			
(i) <i>Agriculture</i>		(i) <i>Agriculture</i>	
(ii) <i>Animal Husbandry and Veterinary Science</i>		(ii) <i>Animal Husbandry and Veterinary Science</i>	
(iii) <i>Anthropology</i>		(iii) <i>Anthropology</i>	
(iv) <i>Botany</i>		(iv) <i>Botany</i>	
(v) <i>Chemistry</i>		(v) <i>Chemistry</i>	
(vi) <i>Civil Engineering</i>		(vi) <i>Civil Engineering</i>	
(vii) <i>Commerce and Accountancy</i>		(vii) <i>Commerce and Accountancy</i>	
(viii) <i>Economics</i>		(viii) <i>Economics</i>	

(ix) Electrical Engineering	(ix) Electrical Engineering
(x) Geography	(x) Geography
(xi) Geology	(xi) Geology
(xii) History	(xii) History
(xiii) Law	(xiii) Law
(xiv) Management	(xiv) Management
(xv) Mathematics	(xv) Mathematics
(xvi) Mechanical Engineering	(xvi) Mechanical Engineering
(xvii) Medical Science	(xvii) Medical Science
(xviii) Philosophy	(xviii) Philosophy
(xix) Physics	(xix) Physics
(xx) Political Science and International Relations	(xx) Political Science and International Relations
(xxi) Psychology	(xxi) Psychology
(xxii) Public Administration	(xxii) Public Administration
(xxiii) Sociology	(xxiii) Sociology
(xxiv) Statistics	(xxiv) Statistics
(xxv) Zoology	(xxv) Zoology
<u>Group-2</u>	(xxvi) Literature of any one of the following languages:
<i>Literature of any one of the following Languages:</i>	Assamese, Bengali, Bodo, Dogri, Gujarati, Hindi, Kannada, Kashmiri, Konkani, Maithili, Malayalam, Manipuri, Marathi, Nepali, Oriya, Punjabi, Sanskrit, Santhali, Sindhi, Tamil, Telugu, Urdu and English.
NOTE:	NOTE:
(i) The question papers for the examination will be of conventional (essay) type.	(i) The question papers for the examination will be of conventional (essay) type.
(ii) Each paper will be of three hours duration.	(ii) Each paper will be of three hours duration.
(iii) Candidates will have the option to answer all the question papers, except Section 2 of the Paper-I (English comprehension and English précis) in English or Hindi. If the candidate has had his/ her graduation in any of the following language mediums using the particular	(iii) Candidates will have the option to answer all the question papers, except the Qualifying Language papers Paper-A and Paper-B, in any of the languages included in the Eighth Schedule to the Constitution of India or in English.

language medium for qualifying the graduate level examination, then he/she may opt for that particular language medium to answer all the question papers, except Section 2 of the Paper-I (English comprehension and English précis).

Assamese, Bengali, Bodo, Dogri, Gujarati, Kannada, Kashmiri, Konkani, Maithili, Malayalam, Manipuri, Marathi, Nepali, Oriya, Punjabi, Sanskrit, Santhali, Sindhi, Tamil, Telugu, and Urdu.

(iv) However, in the interest of maintaining the quality and standards of examination, a minimum number of 25 (twenty-five) candidates should opt for a specific language medium for answering the question papers in that language medium. In case there are less than 25 (twenty-five) candidates opting for any approved language medium (other than English or Hindi), then those candidates will be required to write their examination either in Hindi or in English only.

(v) Candidates exercising the option to answer Papers in any one of the languages mentioned above may, if they so desire, give English version within brackets of only the description of the technical terms, if any, in addition to the version in the language opted by them. Candidates should, however, note that if they misuse the above rule, a deduction will be made on this account from the total marks otherwise accruing to them and in extreme cases; their script(s) will not be valued for being in an unauthorized medium.

(vi) The question papers (other than the literature of language papers) will be set in Hindi and English only.

(vii) The details of the syllabi are set out in Part B of Section III.

General Instructions (Preliminary as well as Main Examination) :

(i) Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them. However, blind candidates will be allowed to write the examination with the help of a scribe. Blind candidates will also be allowed an extra time of thirty minutes at each paper @ ten minutes per hour.

(ii) An extra time of twenty minutes per hour shall be permitted for the candidates with locomotor disability and cerebral palsy where dominant (writing) extremity is affected to the extent of slowing the performance of function (minimum of 40% impairment) in the Civil Services (Main)

(iv) Candidates exercising the option to answer Papers in any one of the languages mentioned above may, if they so desire, give English version within brackets of only the description of the technical terms, if any, in addition to the version in the language opted by them. Candidates should, however, note that if they misuse the above rule, a deduction will be made on this account from the total marks otherwise accruing to them and in extreme cases; their script(s) will not be valued for being in an unauthorized medium.

(v) The question papers (other than the literature of language papers) will be set in Hindi and English only.

(vi) The details of the syllabi are set out in Part B of Section III.

General Instructions (Preliminary as well as Main Examination) :

(i) Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them. However, blind candidates will be allowed to write the examination with the help of a scribe. Blind candidates will also be allowed an extra time of thirty minutes at each paper @ ten minutes per hour.

(ii) An extra time of twenty minutes per hour shall be permitted for the candidates with locomotor disability and cerebral palsy where dominant (writing) extremity is affected to the extent of slowing the performance of function (minimum

Examination only. However, no scribe shall be permitted to such candidates.

Note (1) : The eligibility conditions of a scribe, his/her conduct inside the examination hall and the manner in which an extent to which he/she can help the blind candidate in writing the Civil Services Examination shall be governed by the instructions issued by the UPSC in this regard. Violation of all or any of the said instructions shall entail the cancellation of the candidature of the blind candidate in addition to any other action that the UPSC may take against the scribe.

Note (2) : For purpose of these rules the candidate shall be deemed to be a blind candidate if the percentage of visual impairment is Forty per cent (40%) or more. The criteria for determining the percentage of visual impairment shall be as follows :—

	All with corrections		Percentage
	Better eye	Worse eye	
1	2	3	4
Category O	6/9—6/18	6/24 to 6/36	20%
Category I	6/18—6/36	6/60 to nil	40%
Category II	6/60—4/60 or field of vision 10—20°	3/60 to nil	75%
Category III	3/60—1/60 or field of vision 10°	F.C. at 1 ft to nil	100%
Category IV	F.C. at 1 ft to nil field of vision 100°	F.C. at 1 ft to nil field of vision 100°	100%
One eyed person	6/6	F.C. at 1 ft to nil	30%

Note (3) : For availing of the concession admissible to a blind candidate, the candidate concerned shall produce a certificate in the prescribed proforma from a Medical Board constituted by the Central/State Governments along with their application for the Main Examination.

Note (4) : The concession admissible to blind candidates shall not be admissible to those suffering from Myopia.

(ii) The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects of the examination.

(iii) If a candidate's handwriting is not easily legible, a deduction will be made on this account from the total marks otherwise accruing to him.

(iv) Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

(v) Credit will be given for orderly, effective, and exact expression combined with due economy of words in all subjects of the examination.

(vi) In the question papers, wherever required, SI units will be used.

of 40% impairment) in the Civil Services (Main) Examination only. However, no scribe shall be permitted to such candidates.

Note (1) : The eligibility conditions of a scribe, his/her conduct inside the examination hall and the manner in which an extent to which he/she can help the blind candidate in writing the Civil Services Examination shall be governed by the instructions issued by the UPSC in this regard. Violation of all or any of the said instructions shall entail the cancellation of the candidature of the blind candidate in addition to any other action that the UPSC may take against the scribe.

Note (2) : For purpose of these rules the candidate shall be deemed to be a blind candidate if the percentage of visual impairment is Forty per cent (40%) or more. The criteria for determining the percentage of visual impairment shall be as follows :—

	All with corrections		Percentage
	Better eye	Worse eye	
1	2	3	4
Category O	6/9—6/18	6/24 to 6/36	20%
Category I	6/18—6/36	6/60 to nil	40%
Category II	6/60—4/60 or field of vision 10—20°	3/60 to nil	75%
Category III	3/60—1/60 or field of vision 10°	F.C. at 1 ft to nil	100%
Category IV	F.C. at 1 ft to nil field of vision 100°	F.C. at 1 ft to nil field of vision 100°	100%
One eyed person	6/6	F.C. at 1 ft to nil	30%

Note (3) : For availing of the concession admissible to a blind candidate, the candidate concerned shall produce a certificate in the prescribed proforma from a Medical Board constituted by the Central/State Governments along with their application for the Main Examination.

Note (4) : The concession admissible to blind candidates shall not be admissible to those suffering from Myopia.

(ii) The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects of the examination.

(iii) If a candidate's handwriting is not easily legible, a deduction will be made on this account from the total marks otherwise accruing to him.

(iv) Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

(v) Credit will be given for orderly, effective, and exact expression combined with due economy of words in all subjects of the examination.

(vii) Candidates should use only International form of Indian numerals (i.e. 1, 2, 3, 4, 5, 6 etc.) while answering question papers.

(viii) Candidates will be allowed the use of Scientific (Non-Programmable type) Calculators at the conventional (Essay) type examination of UPSC. Programmable type calculators will however not be allowed and the use of such calculators shall tantamount to resorting to unfair means by the candidates. Loaning or interchanging of calculators in the Examination Hall is not permitted.

It is also important to note that candidates are not permitted to use calculators for answering objective type papers (Test Booklets). They should not therefore bring the same inside the Examination Hall.

C. Interview Test

The candidate will be interviewed by a Board who will have before them a record of his career. He will be asked questions on matters of general interest. The object of the interview is to assess the personal suitability of the candidate for a career in public service by a Board of competent and unbiased observers. The test is intended to judge the mental calibre of a candidate. In broad terms this is really an assessment of not only his intellectual qualities but also social traits and his interest in current affairs. Some of the qualities to be judged are mental alertness, critical powers of assimilation, clear and logical exposition, balance of judgement, variety and depth of interest, ability for social cohesion and leadership, intellectual and moral integrity.

2. The technique of the interview is not that of a strict cross-examination but of a natural, though directed and purposive conversation which is intended to reveal the mental qualities of the candidate.

3. The interview test is not intended to be a test either of the specialised or general knowledge of the candidates which has been already tested through their written papers. Candidates are expected to have taken an intelligent interest not only in their special subjects of academic study but also in the events which are happening around them both within and outside their own State or Country as well as in modern currents of thought and in new discoveries which should rouse the curiosity of well educated youth.

SECTION III

SYLLABI FOR THE EXAMINATION

NOTE : Candidates are advised to go through the Syllabus published in this Section for the Preliminary Examination and the Main Examination, as periodic revision of syllabus has been done in several subjects.

Part A—Preliminary Examination

Paper I—(200 marks) Duration : Two hours

- Current events of national and international importance

(vi) In the question papers, wherever required, SI units will be used.

(vii) Candidates should use only International form of Indian numerals (i.e. 1, 2, 3, 4, 5, 6 etc.) while answering question papers.

(viii) Candidates will be allowed the use of Scientific (Non-Programmable type) Calculators at the conventional (Essay) type examination of UPSC. Programmable type calculators will however not be allowed and the use of such calculators shall tantamount to resorting to unfair means by the candidates. Loaning or interchanging of calculators in the Examination Hall is not permitted.

It is also important to note that candidates are not permitted to use calculators for answering objective type papers (Test Booklets). They should not therefore bring the same inside the Examination Hall.

C. Interview Test

The candidate will be interviewed by a Board who will have before them a record of his career. He will be asked questions on matters of general interest. The object of the interview is to assess the personal suitability of the candidate for a career in public service by a Board of competent and unbiased observers. The test is intended to judge the mental calibre of a candidate. In broad terms this is really an assessment of not only his intellectual qualities but also social traits and his interest in current affairs. Some of the qualities to be judged are mental alertness, critical powers of assimilation, clear and logical exposition, balance of judgement, variety and depth of interest, ability for social cohesion and leadership, intellectual and moral integrity.

2. The technique of the interview is not that of a strict cross-examination but of a natural, though directed and purposive conversation which is intended to reveal the mental qualities of the candidate.

3. The interview test is not intended to be a test either of the specialised or general knowledge of the candidates which has been already tested through their written papers. Candidates are expected to have taken an intelligent interest not only in their special subjects of academic study but also in the events which are happening around them both within and outside their own State or Country as well as in modern currents of thought and in new discoveries which should rouse the curiosity of well educated youth.

SECTION III

SYLLABI FOR THE EXAMINATION

NOTE : Candidates are advised to go through the Syllabus published in this Section for the Preliminary Examination and the Main Examination, as periodic revision of syllabus has been done in several subjects.

Part A—Preliminary Examination

Paper I—(200 marks) Duration : Two hours

- History of India and Indian National Movement
- Indian and World Geography-Physical, Social, Economic Geography of India and the World.
- Indian Polity and Governance-Constitution, Political System, Panchayati Raj, Public Policy, Rights Issues, etc.
- Economic and Social Development-Sustainable Development, Poverty, Inclusion, Demographics, Social Sector Initiatives, etc.
- General issues on Environmental ecology, Bio-diversity and Climate Change - that do not require subject specialization
- General Science.

Paper II-(200 marks) Duration : Two hours

- Comprehension
- Interpersonal skills including communication skills;
- Logical reasoning and analytical ability
- Decision making and problem solving
- General mental ability
- Basic numeracy (numbers and their relations, orders of magnitude, etc.) (Class X level), Data interpretation (charts, graphs, tables, data sufficiency etc. — Class X level)
- English Language Comprehension skills (Class X level).

Note 1 : Questions relating to English Language Comprehension skills of Class X level (last item in the Syllabus of Paper-II) will be tested through passages from English language only without providing Hindi translation thereof in the question paper.

Note 2 : The questions will be of multiple choice, objective type.

Part B—Main Examination

The main Examination is intended to assess the overall intellectual traits and depth of understanding of candidates rather than merely the range of their information and memory.

The nature and standard of questions in the General Studies papers (Paper II to Paper V) will be such that a well-educated person will be able to answer them without any specialized study. The questions will be such as to test a candidate's general awareness of a variety of subjects, which will have

- Current events of national and international importance
- History of India and Indian National Movement
- Indian and World Geography-Physical, Social, Economic Geography of India and the World.
- Indian Polity and Governance-Constitution, Political System, Panchayati Raj, Public Policy, Rights Issues, etc.
- Economic and Social Development-Sustainable Development, Poverty, Inclusion, Demographics, Social Sector Initiatives, etc.
- General issues on Environmental ecology, Bio-diversity and Climate Change - that do not require subject specialization
- General Science.

Paper II-(200 marks) Duration : Two hours

- Comprehension
- Interpersonal skills including communication skills;
- Logical reasoning and analytical ability
- Decision making and problem solving
- General mental ability
- Basic numeracy (numbers and their relations, orders of magnitude, etc.) (Class X level), Data interpretation (charts, graphs, tables, data sufficiency etc. — Class X level)
- English Language Comprehension skills (Class X level).

Note 1 : Questions relating to English Language Comprehension skills of Class X level (last item in the Syllabus of Paper-II) will be tested through passages from English language only without providing Hindi translation thereof in the question paper.

Note 2 : The questions will be of multiple choice, objective type.

Note 3: It is mandatory for the candidate to appear in both the Papers of Civil Services (Prelim) Examination for the purpose of evaluation. Therefore a candidate will be disqualified in case he/she does not appear in both the papers of Civil Services (Prelim) Examination.

Part B-MAIN EXAMINATION

The main Examination is intended to assess the overall intellectual traits and depth of understanding of candidates rather than merely the range of their information and memory.

The nature and standard of questions in the General Studies papers (Paper II to Paper V) will be such that a well-educated person will be able to answer them without any specialized study. The questions will be such as to test a candidate's general

relevance for a career in Civil Services. The questions are likely to test the candidate's basic understanding of all relevant issues, and ability to analyze, and take a view on conflicting socio-economic goals, objectives and demands. The candidates must give relevant, meaningful and succinct answers.

The scope of the syllabus for optional subject papers (Paper VI and Paper VII) for the examination is broadly of the honours degree level i.e. a level higher than the bachelors' degree and lower than the masters' degree. In the case of Engineering, Medical Science and law, the level corresponds to the bachelors' degree.

Syllabi of the papers included in the scheme of Civil Services (Main) Examination are given as follows:-

awareness of a variety of subjects, which will have relevance for a career in Civil Services. The questions are likely to test the candidate's basic understanding of all relevant issues, and ability to analyze, and take a view on conflicting socio-economic goals, objectives and demands. The candidates must give relevant, meaningful and succinct answers.

The scope of the syllabus for optional subject papers (Paper VI and Paper VII) for the examination is broadly of the honours degree level i.e. a level higher than the bachelors' degree and lower than the masters' degree. In the case of Engineering, Medical Science and law, the level corresponds to the bachelors' degree.

Syllabi of the papers included in the scheme of Civil Services (Main) Examination are given as follows:-

QUALIFYING PAPERS ON INDIAN LANGUAGES AND ENGLISH

The aim of the paper is to test the candidate's ability to read and understand serious discursive prose, and to express his ideas clearly and correctly, in English and Indian Language concerned.

The pattern of questions would be broadly as follows:-

- (i) Comprehension of given passages
- (ii) Precis Writing
- (iii) Usage and Vocabulary
- (iv) Short Essay.

Indian Languages:-

- (i) Comprehension of given passages.
- (ii) Precis Writing
- (iii) Usage and Vocabulary.
- (iv) Short Essay
- (v) Translation from English to the Indian language and vice-versa.

Note 1: The Papers on Indian Languages and English will be of Matriculation or equivalent standard and will be of qualifying nature only. The marks obtained in these papers will not be counted for ranking.

PAPER-I

Essay: Candidates will be required to write an essay on a specific topic. The choice of subjects will be given. They will be expected to keep closely to the subject of the essay to arrange their ideas in orderly fashion, and to write concisely. Credit will be given for effective and exact expression.

English Comprehension & English Precis will be to test the English language Comprehension and English précis writing (at 10th standard level).

PAPER-II

General Studies- I: Indian Heritage and Culture, History and Geography of the World and Society.

- Indian culture will cover the salient aspects of Art Forms, Literature and Architecture from ancient to modern times.
- Modern Indian history from about the middle of the eighteenth century until the present- significant events, personalities, issues
- The Freedom Struggle - its various stages and important contributors /contributions from different parts of the country.
- Post-independence consolidation and reorganization within the country.
- History of the world will include events from 18th century such as industrial revolution, world wars, redrawing of national boundaries, colonization, decolonization, political philosophies like communism, capitalism, socialism etc.- their forms and effect on the society.
- Salient features of Indian Society, Diversity of India.
- Role of women and women's organization, population and associated issues, poverty and developmental issues, urbanization, their problems and their remedies.
- Effects of globalization on Indian society
- Social empowerment, communalism, regionalism & secularism.
- Salient features of world's physical geography.
- Distribution of key natural resources across the world (including South Asia and the Indian sub-continent); factors responsible for the location of primary, secondary, and tertiary sector industries in various parts of the world (including India)
- Important Geophysical phenomena such as earthquakes, Tsunami, Volcanic activity, cyclone etc., geographical features and their location—changes in critical geographical features (including water-bodies and ice-caps) and in flora and fauna and the effects of such changes.

Note 2 : The candidates will have to answer the English and Indian Languages papers in English and the respective Indian language (except where translation is involved).

PAPER-I

Essay: Candidates will be required to write an essay on a specific topic. The choice of subjects will be given. They will be expected to keep closely to the subject of the essay to arrange their ideas in orderly fashion, and to write concisely. Credit will be given for effective and exact expression.

Deleted**PAPER-II**

General Studies- I: Indian Heritage and Culture, History and Geography of the World and Society.

- Indian culture will cover the salient aspects of Art Forms, Literature and Architecture from ancient to modern times.
- Modern Indian history from about the middle of the eighteenth century until the present- significant events, personalities, issues
- The Freedom Struggle - its various stages and important contributors /contributions from different parts of the country.
- Post-independence consolidation and reorganization within the country.
- History of the world will include events from 18th century such as industrial revolution, world wars, redrawing of national boundaries, colonization, decolonization, political philosophies like communism, capitalism, socialism etc.- their forms and effect on the society.
- Salient features of Indian Society, Diversity of India.
- Role of women and women's organization, population and associated issues, poverty and developmental issues, urbanization, their problems and their remedies.
- Effects of globalization on Indian society
- Social empowerment, communalism, regionalism & secularism.
- Salient features of world's physical geography.
- Distribution of key natural resources across the world (including South Asia and the Indian sub-continent); factors responsible for the location of primary, secondary, and tertiary sector industries in various parts of the world (including India)
- Important Geophysical phenomena such as earthquakes, Tsunami, Volcanic activity, cyclone etc., geographical features and their location—changes in critical geographical features (including water-bodies and ice-caps) and in flora and fauna and the effects of such changes.

<p>PAPER-III</p> <p>General Studies- II: Governance, Constitution, Polity, Social Justice and International relations.</p> <ul style="list-style-type: none"> • Indian Constitution- historical underpinnings, evolution, features, amendments, significant provisions and basic structure. • Functions and responsibilities of the Union and the States, issues and challenges pertaining to the federal structure, devolution of powers and finances up to local levels and challenges therein. • Separation of powers between various organs dispute redressal mechanisms and institutions. • Comparison of the Indian constitutional scheme with that of other countries • Parliament and State Legislatures - structure, functioning, conduct of business, powers & privileges and issues arising out of these. • Structure, organization and functioning of the Executive and the Judiciary—Ministries and Departments of the Government; pressure groups and formal/informal associations and their role in the Polity. • Salient features of the Representation of People's Act. • Appointment to various Constitutional posts, powers, functions and responsibilities of various Constitutional Bodies. • Statutory, regulatory and various quasi-judicial bodies • Government policies and interventions for development in various sectors and issues arising out of their design and implementation. • Development processes and the development industry—the role of NGOs, SHGs, various groups and associations, donors, charities, institutional and other stakeholders • Welfare schemes for vulnerable sections of the population by the Centre and States and the performance of these schemes; mechanisms, laws, institutions and Bodies constituted for the protection and betterment of these vulnerable sections. • Issues relating to development and management of Social Sector/Services relating to Health, Education, Human Resources. • Issues relating to poverty and hunger. • Important aspects of governance, transparency and accountability, e-governance—applications, models, successes, limitations, and potential; citizens charters, transparency & accountability and institutional and other measures. 	<p>features and their location—changes in critical geographical features (including water-bodies and ice-caps) and in flora and fauna and the effects of such changes.</p> <p>PAPER-III</p> <p>General Studies- II: Governance, Constitution, Polity, Social Justice and International relations.</p> <ul style="list-style-type: none"> • Indian Constitution- historical underpinnings, evolution, features, amendments, significant provisions and basic structure. • Functions and responsibilities of the Union and the States, issues and challenges pertaining to the federal structure, devolution of powers and finances up to local levels and challenges therein. • Separation of powers between various organs dispute redressal mechanisms and institutions. • Comparison of the Indian constitutional scheme with that of other countries • Parliament and State Legislatures - structure, functioning, conduct of business, powers & privileges and issues arising out of these. • Structure, organization and functioning of the Executive and the Judiciary—Ministries and Departments of the Government; pressure groups and formal/informal associations and their role in the Polity. • Salient features of the Representation of People's Act. • Appointment to various Constitutional posts, powers, functions and responsibilities of various Constitutional Bodies. • Statutory, regulatory and various quasi-judicial bodies • Government policies and interventions for development in various sectors and issues arising out of their design and implementation. • Development processes and the development industry—the role of NGOs, SHGs, various groups and associations, donors, charities, institutional and other stakeholders • Welfare schemes for vulnerable sections of the population by the Centre and States and the performance of these schemes; mechanisms, laws, institutions and Bodies constituted for the protection and betterment of these vulnerable sections. • Issues relating to development and management of Social Sector/Services relating to Health, Education, Human Resources. • Issues relating to poverty and hunger. • Important aspects of governance, transparency and accountability, e-governance—applications, models, successes, limitations, and potential; citizens charters, transparency & accountability and institutional and other measures.
--	---

<p>involving India and/or affecting India's interests</p> <ul style="list-style-type: none"> Effect of policies and politics of developed and developing countries on India's interests, Indian diaspora. Important International institutions, agencies and forums their structure, mandate. <p>PAPER-IV</p> <p>General Studies-III: Technology, Economic Development, Bio diversity, Environment, Security and Disaster Management.</p> <ul style="list-style-type: none"> Indian Economy and issues relating to planning, mobilization of resources, growth, development and employment. Inclusive growth and issues arising from it. Government Budgeting. Major crops—cropping patterns in various parts of the country, — different types of irrigation and irrigation systems—storage, transport and marketing of agricultural produce and issues and related constraints; e-technology in the aid of farmers Issues related to direct and indirect farm subsidies and minimum support prices; Public Distribution System—objectives, functioning, limitations, revamping; issues of buffer stocks and food security; Technology missions; economics of animal-rearing. Food processing and related industries in India— scope and significance, location, upstream and downstream requirements, supply chain management. Land reforms in India. Effects of liberalization on the economy, changes in industrial policy and their effects on industrial growth. Infrastructure: Energy, Ports, Roads, Airports, Railways etc. Investment models. Science and Technology— developments and their applications and effects in everyday life Achievements of Indians in science & technology; indigenization of technology and developing new technology. Awareness in the fields of IT, Space, Computers, robotics, nano-technology, bio-technology and issues relating to intellectual property rights. Conservation, environmental pollution and degradation, environmental impact assessment Disaster and disaster management. Linkages between development and spread of extremism. Role of external state and non-state actors in creating challenges to internal security. Challenges to internal security through communication networks, role of media and social networking sites in internal security challenges, basics of cyber security; money-laundering and its prevention 	<ul style="list-style-type: none"> Role of civil services in a democracy. India and its neighborhood— relations. Bilateral, regional and global groupings and agreements involving India and/or affecting India's interests Effect of policies and politics of developed and developing countries on India's interests, Indian diaspora. Important International institutions, agencies and forums their structure, mandate. <p>PAPER-IV</p> <p>General Studies-III: Technology, Economic Development, Bio diversity, Environment, Security and Disaster Management.</p> <ul style="list-style-type: none"> Indian Economy and issues relating to planning, mobilization of resources, growth, development and employment. Inclusive growth and issues arising from it. Government Budgeting. Major crops—cropping patterns in various parts of the country, - different types of irrigation and irrigation systems storage, transport and marketing of agricultural produce and issues and related constraints; e-technology in the aid of farmers Issues related to direct and indirect farm subsidies and minimum support prices; Public Distribution System—objectives, functioning, limitations, revamping; issues of buffer stocks and food security; Technology missions; economics of animal-rearing. Food processing and related industries in India— scope and significance, location, upstream and downstream requirements, supply chain management. Land reforms in India. Effects of liberalization on the economy, changes in industrial policy and their effects on industrial growth. Infrastructure: Energy, Ports, Roads, Airports, Railways etc. Investment models. Science and Technology— developments and their applications and effects in everyday life Achievements of Indians in science & technology; indigenization of technology and developing new technology. Awareness in the fields of IT, Space, Computers, robotics, nano-technology, bio-technology and issues relating to intellectual property rights. Conservation, environmental pollution and degradation, environmental impact assessment Disaster and disaster management. Linkages between development and spread of extremism. Role of external state and non-state actors in creating challenges to internal security. Challenges to internal security through communication networks, role of media and social networking sites in internal security challenges, basics of cyber security; money-laundering and its prevention
--	--

<ul style="list-style-type: none"> • Various Security forces and agencies and their mandate <p>PAPER-V</p>	<ul style="list-style-type: none"> • Security challenges and their management in border areas; - linkages of organized crime with terrorism • Various Security forces and agencies and their mandate <p>PAPER-V</p>
<p>General Studies- IV: Ethics, Integrity, and Aptitude</p> <p><i>This paper will include questions to test the candidates' attitude and approach to issues relating to integrity, probity in public life and his problem solving approach to various issues and conflicts faced by him in dealing with society. Questions may utilise the case study approach to determine these aspects. The following broad areas will be covered.</i></p> <ul style="list-style-type: none"> • Ethics and Human Interface: Essence, determinants and consequences of Ethics in - human actions; dimensions of ethics; ethics - in private and public relationships. Human Values – lessons from the lives and teachings of great leaders, reformers and administrators; role of family, society and educational institutions in inculcating values. • Attitude: content, structure, function; its influence and relation with thought and behaviour; moral and political attitudes; social influence and persuasion. • Aptitude and foundational values for Civil Service , integrity, impartiality and non-partisanship, objectivity, dedication to public service, empathy, tolerance and compassion towards the weaker-sections. • Emotional intelligence-concepts, and their utilities and application in administration and governance. • Contributions of moral thinkers and philosophers from India and world. • Public/Civil service values and Ethics in Public administration: Status and problems; ethical concerns and dilemmas in government and private institutions; laws, rules, regulations and conscience as sources of ethical guidance; accountability and ethical governance; strengthening of ethical and moral values in governance; ethical issues in international relations and funding; corporate governance. • Probity in Governance: Concept of public service; Philosophical basis of governance and probity; Information sharing and transparency in government, Right to Information, Codes of Ethics, Codes of Conduct, Citizen's Charters, Work culture, Quality of service delivery, Utilization of public funds, challenges of corruption. • Case Studies on above issues. 	<p>General Studies- IV: Ethics, Integrity, and Aptitude</p> <p><i>This paper will include questions to test the candidates' attitude and approach to issues relating to integrity, probity in public life and his problem solving approach to various issues and conflicts faced by him in dealing with society. Questions may utilise the case study approach to determine these aspects. The following broad areas will be covered.</i></p> <ul style="list-style-type: none"> • Ethics and Human Interface: Essence, determinants and consequences of Ethics in - human actions; dimensions of ethics; ethics - in private and public relationships. Human Values – lessons from the lives and teachings of great leaders, reformers and administrators; role of family, society and educational institutions in inculcating values. • Attitude: content, structure, function; its influence and relation with thought and behaviour; moral and political attitudes; social influence and persuasion. • Aptitude and foundational values for Civil Service , integrity, impartiality and non-partisanship, objectivity, dedication to public service, empathy, tolerance and compassion towards the weaker-sections. • Emotional intelligence-concepts, and their utilities and application in administration and governance. • Contributions of moral thinkers and philosophers from India and world. • Public/Civil service values and Ethics in Public administration: Status and problems; ethical concerns and dilemmas in government and private institutions; laws, rules, regulations and conscience as sources of ethical guidance; accountability and ethical governance; strengthening of ethical and moral values in governance; ethical issues in international relations and funding; corporate governance. • Probity in Governance: Concept of public service; Philosophical basis of governance and probity; Information sharing and transparency in government, Right to Information, Codes of Ethics, Codes of Conduct, Citizen's Charters, Work culture, Quality of service delivery,

<u>PAPER-VI & PAPER VII</u>	Utilization of public funds, challenges of corruption. • Case Studies on above issues.
Optional Subject Papers I & II (Candidates may choose any optional subject from amongst the list of subjects given in para 2 below (Group 1). However, a candidate can opt for the literatures of a language, indicated in Group-2 below para 2, as an optional subject, only if the candidate has graduated in the literature of that particular language as the main subject).	PAPER-VI & PAPER VII Optional Subject Papers I & II Candidate may choose any optional subject from amongst the List of Optional Subjects given in Para 2.

Besides above changes, rest of the notification issued by the Government dated 5.3.2013 will remain unchanged.

NARENDRA GAUTAM, Under Secy.